काव्या हिंदी

Teacher Manual
Class-6 to 8

काव्या हिंदी - 6

1. चिर महान

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ) 3. (ब)

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(ग) 1. दिशि-दिशि में प्रेम सभा प्रसार, हर भेद-भाव का अंधकार, मैं खोल सकूँ चिर मुँदे नाथ! मानव के डर के स्वर्ग-द्वार! 2. जग-जीवन में जो चिर महान, सौंदर्यपूर्ण और सत्य-प्राण, मैं उसका प्रेमी बनूँ! जो हो मानव के हित समान!

(घ) 1. कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहता है कि वह उनसे अमरदान पाकर मानव की रक्षा करे। तथा विश्व में फिर से जव जीवन ला सके। 2. कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहता है कि वह उसे ऐसी शक्ति प्रदान करें जिससे भय-संशय तथा अंध-भक्ति दूर हो जाए। वह ऐसा प्रकाश बने जिससे सभी व्यक्ति प्रकाशित हो जाए।

(ङ) 1. कवि ऐसा प्रकाश बनने की अभिलाषा रखता है जिससे सभी का अंधकार दूर हो जाए। 2. कवि इसलिए शक्ति प्राप्त करना चाहता है ताकि भय-संशय अंध-भक्ति दूर हो जाए। 3. कवि उसका प्रेमी बनने की प्रार्थना कर रहा है जो मानव का हित समझता हो। 4. कवि ने चिर महान उसे बताया है जो सौंदर्यपूर्ण तथा सत्यता से भरा हो। 5. सौंदर्यपूर्ण और सत्य-प्राण बनने से कवि का तात्पर्य ऐसा व्यक्ति बनने से है जिसका हृदय सत्य से पूर्ण हो। 6. नवजीवन का विहान कथन से कवि क्या आशय संसार में नए जीवन का सवेरा लाने से है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. सवेरा 2. सुंदरता 3. रक्षा 4. मनुष्य 5.सच 6. संपूर्ण 7. डर 8. विश्व

(ख) 1. बिना सोचे-समझे किसी के प्रति निष्ठा का भाव रखना 2. सौंदर्य से भरा हुआ

नए वाक्य

1. हमें संशय नहीं करना चाहिए 2. अखिल व्यक्ति बनना चाहिए 3. अशोक महान राजा थे। 4. हमें किसी की अंध-भक्ति नहीं करनी चाहिए 5. हमें मानव का परित्राण करना चाहिए।

2. सीख

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (स) 3. (स)

(ख) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

(ग) 1. पत्नी 2. अरुण 3. छोटे-छोटे 4. जवान 5. घर

(घ) 1. (स) 2. (अ) 3. (य) 4. (ब) 5. (द)

(ङ) 1. किसान ने, पत्नी से 2. पत्नी ने, किसान से 3. अरुण की पत्नी ने, अरुण से 4. अरुण ने, अपनी पत्नी से 5. अरुण के बेटे ने, पत्नी से

(च) 1. किसान अपने बेटे से बहुत प्यार करता था। 2. किसान अब बूढ़ा हो गया ....बीमार हो गया। 3. किसान की पत्नी ने खेती का काम करने के लिए अरुण से इसलिए कहा क्योंकि किसान बीमार हो गया था। 4. पत्नी की शिकायत सुनकर अरुण अपने पिता को धर्मशाला में छोड़ने चल दिया। 5. अरुण अपने पिता को धर्मशाला न छोड़कर घर वापस ले आया क्योंकि उसके बेटे ने उससे कहा कि जिस प्रकार वह अपने पिता को

धर्मशाला में छोड़कर जा रहा है वह भी उसे धर्मशाला में छोड़कर चला जाएगा। 6. हमें अपने माता-पिता के कार्यों में ....ध्यान रखना चाहिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करें।

(ख) **जातिवचक संज्ञा**- व्यक्ति, किसान, पिता, माता; **व्यक्तिवाचक संज्ञा**- अरुण, नेहा, धर्मशाला, राहुल; **भावचावक संज्ञा**- भलाई, प्यार, बीमारी, जिद

नए वाक्य

1. मोहित ने नेहा से विवाह कर लिया। 2. हमें कठिन परिश्रम करना चाहिए। 3. अध्यापक ने पाठ समझने में निधि की सहायता की। 4. जल्दी करो अन्यथा ट्रेन चली जाएगी। 5. माता-पिता की सेवा करने से बहुत पुण्य मिलता है।

3. योग्य शिष्य

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (अ)

(ख) 1. विवाह 2. स्थानों 3. परीक्षा 4. युवा 5. आत्मा

(ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. विवाह 2. स्थानों 3. परीक्षा 4. युवा 5. आत्मा

(ङ) 1. इस कहानी से आपको यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी .... आदि कोई भी कहें। 2. गुरुजी की एक ही बेटी थी .... होना चाहते थे। 3. गुरुजी पुत्री के लिए सुशील व .... विवाह कर दूँगा। 4. पद्मसिंह ने कहा, ...चुराकर नहीं ला सका।" 5. गुरुजी ने पद्मसिंह की प्रशंसा करते हुए कहा, ''पद्मसिंह .... उससे क्षमा माँग लेना।''

भाषा एवं व्याकरण

(क) सेठानी, रानी, युवती, बेटी, बुद्धिमती, शिष्या

(ख) बेटियाँ, वस्तुएँ, बेटा, सच्चे, बात, चोरी

(ग) बुद्धिमान, कुरूप, बुरी, बहुत, मूर्ख, ऋण, सुंदर, वधू, थोड़ी, रीढ़

नए वाक्य

1. हम माता-पिता का ऋण नहीं चुका सकते। 2. अर्जुन द्रोणाचार्य का शिष्य था। 3. हमारे अध्यापक बहुत विद्वान हैं। 4. प्राचीन समय में ऋषि आश्रय में रहते थे। 5. राम का विवाह सीता के साथ हुआ था।

4. एक पत्र पुत्र के नाम

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) 1. चरित्र निर्माण 2. पिताजी 3. शांति 4. डिप्टी गवर्नर 5. संस्कृत

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

(घ) 1. गांधीजी ने अपने पुत्र को शिक्षा के विषय में बताया कि केवल अक्षर-ज्ञान ही सच्ची शिक्षा नहीं है। सच्ची शिक्षा तो चरित्र-निर्माण और कर्त्तव्य का बोध है। 2. गांधीजी ने अपने पुत्र को स्वास्थ्य के बारे में समझाया कि वे लोग सवेरे को दूध के साथ साबूदाना अवश्य लें। 3. गांधीजी आचार- विचार में सत्य और अहिंसा के प्रयोग पर बल देते थे। 4. ये तीन बातें हैं - अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना। 5. गांधीजी ने अमीरों की तुलना में गरीबों को सुखी बताया है क्योंकि उन्हें लगता है कि गरीबी में ही सुख है। 6. प्रस्तुत अध्याय पाठ जी द्वारा जेल .... लिए प्रेरित किया है।

(ङ) 1. (स) 2. (द) 3. (य) 4. (ब) 5. (अ)

भाषा एवं व्याकरण

(क) आशा है कि 'बा' अच्छी हो गई होंगी। ये मुझे मालूम है कि तुम्हारे कुछ पत्र यहाँ आए हैं। लेकिन वे मुझे नहीं दिए गए, फिर भी डिप्टी गवर्नर की सहायता से मुझे मालूम हुआ है कि

'बा' का स्वास्थ्य सुधर रहा है। क्या वे फिर से चलने-फिरने लगीं हैं? 'बा' और तुम लोग सवेरे दूध के साथ साबूदाना बराबर ले रहे होंगे।

(ख) अनुदारता, सामान्य, संतोष, संध्या, असमान, हिंसा, भूत

(ग) स्वयं करें

नए वाक्य

1. राजा ने दूत को बंदी बनाने का आदेश दिया। 2. हमें कल की चिंता नहीं करनी चाहिए। 3. भारत विश्व में अपनी उदारता के लिए जाना जाता है। 4. देश की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। 5. भारत का विश्व कप जीतना स्वाभाविक ही है।

5. साहसी बनो

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (द) 3. (स) 4. (ब)

(ख) 1. पाला-पोसा 2. समुद्र 3. उत्तेजना 4. फ्रांसीसी 5. आते-जाते

(ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. बालक 2. फ्रांसीसी सेनापति 3. बालक

(ङ) 1. अंग्रेज बालक हवा द्वीप में रहता था। 2. उस समय लड़ाकू जहाजों पर रहना बड़ा खतरनाक समझा जाता था। 3. यही बालक आगे चलकर अंग्रेजी नौ-सेनापति हाप्सन के नाम से प्रसिद्ध हुआ। 4. अंग्रेजी सैनिकों ने फ्रांसीसी जहाज पर .... का कब्जा हो गया। 5. फ्रांसीसी सेनापति का जहाज बालक .... भी नहीं पता चलता।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. की पर 2. ने, की 3. में 4. ने, में, के लिए 5. को

(ख) स्वयं करें

नए वाक्य

1. बच्चे ने आग्रह किया कि उसे घर तक छोड़ दें। 2. संकट के समय ही धैर्य की परीक्षा होती है। 3. भारत के सैनिकों ने कारगिल पर अपनी पताका फहरा दी। 4. महाराणा प्रताप ने बड़ी वीरता से मुगलों का सामना किया। 5. हमें लक्ष्य-प्राप्ति के लिए दृढ़-प्रतिज्ञ होना चाहिए।

6. ऐसे बनो

लिखित प्रश्न

स्वयं करें।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करें।

(ख) 1. समान, एक जैसा 2. लपट, लौ 3. ठंडा, निर्मल 4. निर्माण, बनाना 5. बहाव, बहना

नए वाक्य

1. मलय पर्वत पर चढ़ना सबके लिए बहुत मुश्किल है। 2. हमें उँचे स्वर में बात नहीं करनी चाहिए। 3. सुबह होते ही पक्षी नीले गगन में उड़ने लगते है।

7. महादानी दधीचि

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (अ) 3. (ब) 4. (स)

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ग) 1. सरस्वती 2. वृत्रासुर 3. सुख 4. पराक्रमी 5. परोपकारी

(घ) 1. (य) 2. (स) 3. (अ) 4. (ब) 5. (द)

(ङ) 1. ब्रह्माजी ने इंद्र से 2. इंद्र ने ब्रह्माजी से 3. ब्रह्माजी ने इंद्र से 4. दधीचि ने इंद्र से 5. इंद्र ने दधीचि से

(च) 1. देवता वृत्रासुर के आतंक से परेशान थे। 2. देवता वृत्रासुर से इसलिए घबरा गए क्योंकि वह बहुत शक्तिशाली और पराक्रमी था। 3. वृत्रासुर से छुटकारा पाने का उपाय पूछने देवता ब्रह्माजी के पास गए। 4. ब्रह्माजी ने देवताओं को वृत्रासुर से छुटकारा पाने का उपाय बताया कि वे दधीचि ऋषि के पास

जाएँ और उनसे अपनी अस्थियाँ दान करने के लिए कहे। 5. अपनी प्रशंसा से सकुचाकर ऋषि ने कहा, ... क्या सेवा करुँ।'' 6. दधीचि की अस्थियों से वज्र बनाया गया जिससे वृत्रासुर का अंत हो गया।

भाषा एवं व्याकरण

1. जल्दी करो अन्यथा स्कूल बस छूट जाएगी। 2. हिंदी एवं गणित मेरे प्रिय विषय हैं। 3. तुम दिल्ली जाओगे अथवा मेरठ। 4. सही समय पर पढ़ाई करो वरना बहुत पछताओगे। 5. खाना खा लो नहीं तो नींद नहीं आएगी।

नए वाक्य

1. शेर को देखते ही मोहन के प्राण सूख गए। 2. निरंतर परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है। 3. राजा बलि बहुत पराक्रमी थे। 4. हमें बड़ों की सलाह अवश्य माननी चाहिए। 5. आज मानव ने विनाश के अनेक शस्त्र बना लिए हैं।

8. वीर गुलाब सिंह

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (अ) 4. (द) 5. (ब)

(ख) 1. बहन 2. माँ–बाप 3. पान का बीड़ा 4. गोली 5.अमृतवाणी

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

(घ) 1. (स) 2. (य) 3. (द) 4. (अ) 5. (ब)

(ङ) 1. बहन ने, भाई से 2. भाई ने, बहन से 3. बहन ने, भाई से 4. भाई ने, बहन से 5. भाई ने, बहन से

(च) 1. एक दिन उमंग तथा उत्साह की ऐसी हवा चली कि गुलामी के कारण देश के लोगों के मुरझाए हुए मनों में भी नई जान पड़ गई। 2. बहन को आरती उतारना बहुत भाता .... हुआ देखना चाहती थी।

(छ) 1. बादशाह का हुक्म था कि जुलूस न निकले, झंडा न निकले। 2. प्रस्तुत कहानी को अमर अनंत की कहानी इसलिए कहा गया है क्योंकि यह फ्रांस .... चिरंतन है, अनंत है 3. बहन ने अपनी पुरानी .... लाल–पीले चढ़ गए। 4. बादशाह के सिपाहियों ने झंडे .... गोली चला दी। 5. प्रस्तुत कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की बलि भी चढ़ा देनी चाहिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) गुलाम, ताजा, बीमार, स्वतंत्र, कटु, गंभीर

(ख) राजकुमारी, पौधे, कहानियाँ, बहन, बात, झंडे, कपड़ा, घटना, दीए, दरवाजा

(ग) ज्वर, प्यारा, क्रोध, समाप्त, नेत्र, राजा, वस्त्र, ध्वज

नए वाक्य

1. हमें निचश्य करके ही आगे बढ़ना चाहिए। 2. भगवान बुद्‌ध के चारों ओर अनोखा प्रभामंडल था। 3. सूरज तथा चाँद अनंतकाल तक आकाश में रहेंगे 4. हमें जीवन में संतोष करना चाहिए। 5. प्रेम से सभी को जीता जा सकता है।

9. प्रकृति का संतुलन

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (द) 3. (ब) 4. (स)

(ख) 1. प्रसन्न 2. अच्छा 3. बकरे 4. जीना 5.क्षमा

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. सुनार ने 2. महात्मा ने 3. सुनार ने

(ङ) 1. महात्मा ने सुनार को तीन वरदान देने को इसलिए कहा क्योंकि वे सुनार के आदर–सत्कार से खुश थे। 2. सुनार बोला, ''महात्मा जी मुझे सौ वर्ष .... बिना न उठ सके 3. यमराज सुनार को अपने साथ इसलिए नहीं ले जा सके क्योंकि सुनार ने उन्हें उस पलंग पर बैठा दिया था जिस पर

उसकी मर्जी के बिना कोई उठ नहीं सकता था। 4. बकरे की गर्दन अपने आप इसलिए जुड़ गई क्योंकि यमराज सुनार की कैद में थे। और जब तक वे उसकी कैद में है किसी की भी मृत्यु नहीं हो सकती है। 5. एक साल में ही किसी के न मरने पर ....जीना पड़ रहा था। 6. सुनार को धरती की यह दश देखकर .... प्रसन्नतापूर्वक रहने लगे।

भाषा एवं व्याकरण

स्वयं करें

नए वाक्य

1. मुसीबत के समय साहस से काम लेना पड़ता है। 2. हमारी पृथ्वी अपनी धुरी पर स्थिर है। 3. पिताजी ने खाने का सही प्रबंध किया था। 4. हमें मेहमानों का आदर–सत्कार करना चाहिए। 5. प्रकृति ने हमें कई वरदान दिए हैं।

10. पंडित जवाहर लाल नेहरू

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (ब) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) 1. मानवीय 2. आनंद भवन 3. मोटर 4. सुविधा 5. इंदिरा गांधी

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. पंडित जवाहरलाल नेहरू आजाद भारत देश .... अपने शब्दों में किया है। 2. वे स्वतंत्रता संग्राम की गतिविधियों से जुड़ी थी और विशेष अवसरों पर आनंद भवन भी जाती थीं। 3. ''क्या बात है। किताबें फेंकती घूमती हो। पढ़ती क्या खाक होगी?'' 4. अत्यधिक शासकी व्यस्तता में भी उनका स्नेह भरा मानवीय रूप अक्षुण ही रहा। 5. मेज पर खाना खाने से पहले जवाहरलाल नेहरू ने महादेवी वर्मा को समझाया कि ''जो तुम नहीं .... चढ़ाना, अच्छा।''

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करें

(ख) 1. दशक 2. छात्रावास 3. मांसाहारी 4. शाकाहारी 5. अतिथि

(ग) भृकुटी, ताँगा, स्थानीय, अनुमति, दर्शन, उत्सुकता, व्यस्तता, स्मरण, शाकाहारी, प्रदर्शन

11. सुभागी

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (द) 3. (अ) 4. (अ)

(ख) 1. खेती 2. प्यार 3. सुभागी 4. लक्ष्मी 5.नहीं करते थे।

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. रामू ने सुभागी से 2. सुभागी ने रामू से 3. तुलसी ने रामू से 4. सजन सिंह ने तुलसी से 5. सुभागी ने सजन सिंह से

(ङ) 1. (द) 2. (स) 3. (य) 4. (अ) 5. (ब)

(च) स्वयं करें

(छ) 1. सुभागी बहुत छोटी उम्र .... लगने लगा था। 2. सुभागी रात को कभी माँ के सिर .... रामू को यह बहुत बुरा लगता। 3. महतो ने गाँव के आदमियों करे इकट्ठा करके .... अलग किए देते हो? राम! राम!'' 4. .... 5. सजन सिंह, ''मेरी इच्छा है कि तुम ....बंधन तोड़ दिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करे

(ख) लगाव, जन्म का उत्सव, रवैया, कुशल, आलसी, मुसीबत, गँवार, शरीर, घर के काम

नए वाक्य

1. भारत के सैनिक उसकी सीमा की रक्षा करते हैं। 2. हमें सादा जीवन जीना चाहिए। 3. मोहित अपना काम निकालने में निपुण है। 4. अब आगे नमक–पानी से ही निर्वाह करना पड़ेगा। 5. पुलिस के आते ही सब निश्ंचित हो गए।

12. कबीर के दोहे

लिखित प्रश्न

(क) 1. चौदह सौ पचपन गए, चंद्रवार, एक ठाट भए। जेठ सुदी बरसाइत को पूरनमासी प्रकट भए।। 2. दु:ख में सुमिरन सब करै सुख में करै न कोय। जो सुख में सुमिरन करैं दु:ख काहे को होय।। 3. जैसा भोजन खाइए तैसा ही मन होय। जैसा पानी पीजिए, तैसी बानी सोय।। 4. माया मरी न मन मरा, मर-मर गए शरीर। आशा तृष्णा न मरी, कह गए दास कबीर।। 5. दया सबहि पर कीजिए, तू क्यों निरदय होय। जाकि बुद्धि ब्रह्म में सो क्यों खूनी होय।।

(ख) स्वयं करें

(ग) 1. जैसा भोजन खाइए वैसा ही मन होय। 2. दु:ख में सुमिरन सब करैं सुख में करै न कोय 3. रात गँवाई सोय ले, दिवस गँवाया खाय। 4. मूरख को समझावते, ज्ञान गाँठि का जाय

(घ) 1. 'हरि गुण लिखा न जाइ' से तात्पर्य है कि भगवान के इतने गुण हैं कि कितना भी कागज या स्याही ले लो तब भी लिखा नहीं जा सकता। 2. कबीरदास ने सज्जन लोगों की विशेषता बताई है कि ये अच्छे विचार रख लेते हैं और बुरे को छोड़ देते है। 3. दुख प्राप्त न हो इसका कबीर ने रास्ता बताया है कि भगवान को सुख में भी याद करना चाहिए। 4. कबीरदास के अनुसार मन और वाणी खाने तथा पानी के अनुसार बदल जाती है। 5. कबीरदास ने ईश्वर से भी अधिक श्रेष्ठ गुरु को बताया है। 6. कबीरदास ने मानव जन्म को हीरा इसलिए बताया है क्योंकि मनुष्य ही सर्वश्रेष्ठ प्राणी हैं। 7. कबीर के अनुसार मूर्ख वह व्यक्ति है जो कुछ समझना नहीं चाहता।

भाषा एवं व्याकरण

(क) उजला, सबकी, जिसके, कागज, समुद्र, स्मरण, कोई, किसके

नए वाक्य

1. रामू बहुत मूर्ख है। 2. अध्यापक हमें ज्ञान प्रदान करते है। 3. हमें सुख में भगवान का स्मरण करना चाहिए। 4. रोहन के पिता बहुत सज्जन व्यक्ति हैं। 5. तृष्णा ही सब दुखों का कारण है।

13. क्या निराश हुआ जाए

लिखित प्रश्न

(क) 1. (स) 2. (ब) 3. (द) 4. (अ)

(ख) 1. सेकंड 2. ड्राइवर 3. दोष 4. सुखकर 5. नियमों

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. (द) 2. (य) 3. (अ) 4. (स) 5. (ब)

(ङ) स्वयं करें

(च) 1. भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं .... रुप से विद्यमान रहते हैं। 2. एक बहुत बड़े आदमी ने एक बार कहा था। . ... चिंता का विषय है। 3. ईमानदारी से मेहनत करके जीविका .... पिस रहे हैं। 4. व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित .... दिखाई देने लगे हैं। 5. जो लोग धर्मभीरु हैं, वे कानून .... नहीं करते। 6. बुराई में रस लेना बुरी बात है .... अच्छी भावना जागती है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) ईमानदार, बुरा, अच्छा, खराब, ठग, डकैत, तस्कर, चोर, भ्रष्टाचारी, दोषी

(ख) विदेशी, गरमी, शैक्षिक, सेवक, व्यावहारिक, धार्मिक, आनंदित, सम्मानित, उल्लेखनीय, माननीय

नए वाक्य

1. हमें निरीह पशुओं को नहीं सताना चाहिए। 2. स्थिति के अनुसार कार्य करना चाहिए। 3. कानून की दृष्टि में सब बराबर हैं। 4.

ईमानदारी सबसे बड़ा गुण है। 5. ईश्वर सभी जगह विद्यमान है।

14. बहादुर बेटा

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (द) 3. (अ) 4. (अ)

(ख) 1. अनाज व धन 2. रेडक्रॉस 3. अध्यापक 4. आजादी 5. युवक

(ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. संदीप और कुलदीप देर तक घर इसलिए नहीं आए थे क्योंकि वे तूफान में लोगों की सहायता कर रहे थे। 2. कुलदीप माँ, तुम सुनती तो नहीं। बड़े जोर ....पैसे देने चाहिए। 3. हाँ, माँ, वह जरूर चले गए .... सेवा करनी चाहिए। 4. कठिन परिश्रम के कारण संदीप बेहोश हो गया था। 5. (माँ का झकझोरकर) माँ, माँ, तुम कहाँ खो गई हो? .... भी तो होगी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. स्वेटर– माँ ने उन का सुंदर स्वेटर बनाया। 2. आकर्षण– मोहन की बनाई मूर्ति में अजीब आकर्षण होता है। 3. धर्म– धर्म की जीत होती हैं। 4. प्रसिद्ध– मथुरा के पेड़े प्रसिद्ध है। 5. स्वागतम– दरवाजे पर स्वागतम लिखा था। 6. स्थिति– आकाश में ध्रुव तारे की स्थिति उत्तर दिशा में है। 7. पदस्थ– मोनिका को बॉस ने पदस्थ कर दिया। 8. वस्तु– कंप्यूटर एक उपयोगी वस्तु है। 9. विवेक– विवेकहीन व्यक्ति कभी सफल नहीं होता। 10. आशीर्वाद– माता-पिता का आशीर्वाद हमेशा बच्चों के साथ होता है।

नए वाक्य

1. साधारण व्यक्ति ही बड़ा आदमी बन सकता है। 2. स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम बहुत आवश्यक है। 3. जंगल में महात्माजी ध्यानस्थ थे। 4. हमें गरीबों की सेवा करनी चाहिए। 5. देश के लिए सब कुछ बलिदान कर देना चाहिए।

15. बूढ़ी काकी

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (द) 3. (ब)

(ख) 1. पश्चाताप 2. बूढ़ी काकी 3. बचपन 4. कठिनाई 5. पूड़ियाँ

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. लाडली ने 2. बूड़ी काकी 3. रूपा ने 4. लाडली ने 5. बूड़ी काकी ने

(ङ) 1. (य) 2. (अ) 3. (द) 4. (ब) 5. (स)

(च) स्वयं करें

(छ) 1. बूढ़ी काकी में जीभ के स्वाद के सिवा .... फाड़-फाड़कर रोती थीं। 2. संपूर्ण परिवार में यदि काकी से किसी का अनुराग था, तो वह बुद्धिराम की छोटी लड़की लाडली थी। 3. आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया है। यह उसी का उत्सव है। 4. बूढ़ी काकी अपनी कोठरी में .... न आएगा, न जाऊँगी। 5. बूढ़ी काकी को रूपा ने और अपनी माँ से छुपकर पूड़ियाँ खिलाईं। 6. अंत में, रूपा को यह देखकर पश्चाताप हुआ कि बूढ़ी काकी झूठे पत्तों से पूड़ियाँ के टुकड़े उठाकर खा रही हैं। रूपा की ओर ....अपराध क्षमा कर दें।''

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. विधानवाचक 2. प्रश्नवाचक

3. आज्ञावाचक	4. संदेहवाचक
5. इच्छावाचक	6. विस्मयवाचक
7. संकेतवाचक	8. निषेधवाचक

नए वाक्य

1. इस बात की तो मैंने कल्पना ही नहीं की थी। 2. राजा के सम्मुख कोई नहीं आया। 3. बहुधा बार प्रयास करने पर भी वह सफल नहीं हो पाया। 4. निक्की ने बहुत चेष्टा की

लेकिन ट्रेन चली गई थी। 5. हमें अपनों से अनुराग करना चाहिए।

16. परिश्रम का फल

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (द) 3. (द)

(ख) 1. कम 2. सही 3. मुर्गी 4. मक्का 5. दादा

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. (स) 2. (द) 3. (य) 4. (अ) 5. (ब)

(ङ) 1. बूढ़े दादा ने 2. राजा ने 3. विद्वानों ने 4. राजा ने 5. किसान के पिता ने

(च) 1. राजा ने अपने सभी विद्वान लोगों को बुलाया और उसने उनसे पता लगाने को कहा कि यह वस्तु क्या है। 2. एक दिन कुछ बच्चों को मक्का के अनाज जैसी कोई चीज पड़ी हुई मिली। यह चीज मुर्गी के अंडे के जितनी बड़ी थी। 3.जब राजा को पता चला कि वह अंडे जैसी वस्तु मक्का का दाना है तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। 4. उसने अपने विद्वानों को आदेश दिया कि वे पता करें कि ऐसी मक्का कहाँ उगाई जाती थी।'' 5. उसे बूढ़े की कमर झुकी .... चलते हुए आया। 6. राजा ने उससे पूछा, ''क्या आप हमें .... अपने खेतों में बोई थी?'' 7. मनुष्य ने अब अन्यों के परिश्रम पर निर्भर .... लालच नहीं करते थे।''

भाषा एवं व्याकरण

स्वयं करे

17. आत्मविश्वास

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (द) 3. (द) 4. (अ)

(ख) 1. आत्महीन 2. एकाग्रता 3. श्रद्धा 4. लेखिका 5. अभागाा

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) स्वयं करें

(ङ) 1. दूसरे की, सामने वाले की आधी ताकत . ... उनसे पिटते रहे हैं। 2. जब कोई विरोधी हमारे आमने आता है तो .... अपने में ले सकते हैं। 3. लेखक के मित्र ने भय के कारण कुत्ते को भेड़िया समझ लिया। 4. उन्होंने अर्जुन से कहा था, ''परेशान ....पर विजय पाएगा।'' 5. हतोत्साहियों, निराशावादियों, डरपोकों और .... से दूर रहो। 6. अभागा अनुभव करते हैं तो .... नहीं बना सकता।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. आत्मविश्वास 2. विरोधी 3. परीक्षक 4. विश्वविख्यात 5. कुसंस्कारी

(ख) स्वयं करे

नए वाक्य

1. दुर्भाग्य से उसका जवान बेटा चल बसा। 2. पाँच में से चार प्रश्न करने अनिवार्य हैं। 3. प्रेम और विश्वास में गहरा संबंध हैं। 4. मोक्ष ने आत्मविश्वास से सभी प्रश्नों का सही उत्तर दिया। 5. रिद्म का भगवान पर अखंड विश्वास है।

18. कर्मवीर

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ) 3. (अ)

(ख) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ग) 1. (द) 2. (य) 3. (ब) 4. (अ) 5. (स)

(घ) स्वयं करें

(ङ) स्वयं करें

भाषा एवं व्याकरण

(क) क्रिया, संज्ञा, विशेषण, संज्ञा, क्रिया, संज्ञा, संज्ञा, संज्ञा

(ख) नदियाँ, संभव, कर्मवीर, जलराशि, मरुभूमि, विविध, सैकड़ों, अड़चनें

(ग) पहाड़, गिरि, सरिता, नहर
गगन, अंबर पृथ्वी, धरा

(घ) नदी, सड़क, बाधाएँ, नमूने, बेड़ियाँ, राशि

नए वाक्य

स्वयं करें

19. साहित्यकार परिचय

लिखित प्रश्न

(क) 1. श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' 2. श्री हरिवंश राय बच्चन 3. श्री सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 4. महादेवी वर्मा 5. श्री जयशंकर प्रसाद

(ख) 1. 1904 2. 1896 3. 1889 4. 1889 5. 1880

20. मेरा विद्यार्थी जीवन

लिखित प्रश्न

(क) 1. (स) 2. (ब) 3. (द) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) 1. माँ–बाप, पढ़ाई, चाल–चलन, प्रमाण– पत्र 2. छात्रवृत्रियाँ, भाग्य 3. इनाम, छात्रवृत्ति 4. सेवा सुश्रुषा 5. गीमी सहाब, गैर हाजिर 6. कुबुद्धि, विलायत

(ग) 1. गांधी का लेख बहुत खराब था इसलिए उन्होंने कहा कि लेख खराब होना अधूरी शिक्षा की निशानी है। 2. सभी को गांधी जी को देखकर समझना चाहिए कि सुलेख शिक्षा का आवश्यक अंग हैं।

(घ) 1. शिक्षकों के प्रति गांधीजी हमेशा प्रेम भावना रखते थे। 2. गांधीजी व्यायाम में इसलिए सम्मिलित नहीं होना चाहते थे क्योंकि वे अपने पिताजी की सेवा करना चाहते थे। 3. पिताजी की चिट्ठी जब .... उससे छुटकारा मिला। 4. इस पाठ के माध्यम से गांधीजी ने अपना उदाहरण देकर नौजावानों का समझाया कि सुलेख शिक्षा का आवश्यक अंग है। 5. भारतवर्ष की उच्च शिक्षा .... स्थान होना चाहिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) अध्यापक, गुरुजी; नभ, गगन; छात्र, शिष्य

(ख) नौकरी में सफल न होने पर रमन मन मसोसकर रह गया।; परीक्षा में प्रथम आने के लिए वासू ने जमीन–आसमान एक कर दिया।; रस के घूट मिलने से मोहित बहुत प्रसन्न हो गया।

(ग) थोड़ा बहुत ही खाकर वह काम पर चला गया।; मोक्ष का दिमाग सही करने के लिए कुछ–न–कुछ तो करना पड़ेगा।; गांधी जी के साथ चालीस–पचास लोग डांडी यात्रा पर चले पड़े।

21. वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे

लिखित प्रश्न

(क) चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए, विपत्ति, विघ्न जो पड़े उन्हें ढकेलते हुए। घटे न हेलमेल हाँ! बढ़े न भिन्नता कभी, अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी। तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(ख) कवि कहता है कि हमें कभी भी अपने धन पर घमंड नहीं होना चाहिए। अपने को सनाथ जानकर अपने ऊपर गर्व नहीं करना चाहिए क्योंकि इस संसार में कोई अनाथ नहीं हैं। सभी के साथ ईश्वर है जो अपने विशाल हाथों से सबकी सहायता करते हैं। अतः वह भाग्यहीन ही हैं जो अधीर हो जाता है। मनुष्य तो वही है जो मनुष्य के लिए मरता हैं।

(ग) 1. कवि ने कामना की है कि उसकी मृत्यु ऐसी हो जो सभी याद मदद करें। 2. कवि ने कहा है कि जो मनुष्य केवल अपने लिए जीता है वह पशु के समान हैं। 3. सरस्वती ऐसे लोगों की प्रशंसा करती है जो अपना ज्ञान दूसरे को बाँट दे। 4. कवि ने धन– संपत्ति का गर्व न करने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि धन संपत्ति नश्वर है यह आज तुम्हारी है कल किसी और की हो जाएगी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) कंजूस; आदि; अंत; अमर

(ख) **स** + **जीव** – जिसमें जीव हो;

कृत + **अर्थ** – उपकार मानने वाला;

अन + **आदि** – जिसका कोई अंत न हो

(ग) नैतिक; मनुष्यता; जीवित; अखंड

22. मेरा बचपन

लिखित प्रश्न

(क) 1. देख-रेख, कष्ट, स्वाभाविक, मुट्ठी, लाड़-प्यार, खाने-पीने, कपड़े, बंधनों

(ख) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✗

(ग) 1. उनके बचपन के समय प्रायः बहुत से लोगों .... पीड़ा ही होती है। 2. नौकर की कोठरी की खिड़की के नीचे .... करने आया करते थे। 3. नौकर ने साँझ के समय उन्हें .... सुनाया करता था। 4. मैंने 'पाठशाला जाने वाला लड़का' के संबोधन .... लोहे के सरिए लगा दिए गए हैं। 5. इस समय मेरी उम्र आठ वर्ष से अधिक नहीं थी। ....किस तरह जाना जाए? 6. एक दिन हमारे घर में एक चोर पकड़ा गया ....पर बड़ी दया आई।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करे

(ख) 1. अचानक मेहमान को आया देखकर नेहा नाक-भौंह सिकोड़ने लगी। 2. मोहित ने आते ही सारा व्यापार अपनी मुट्ठी में ले लिया। 3. पिताजी ने सभी के लिए लक्ष्मण रेखा खींच रखी थी। 4. छोटी लड़की को रस्सी पर चलता देखकर सभी लोग आश्चर्य करने लगे।

(ग) 1. निर्धनता 2. संपन्नता 3. वास्तविकता 4. आजादी 5. सीधापन 6. अयोग्यता

23. सपना घर

लिखित प्रश्न

(क) 1. (स) 2. (ब) 3. (अ) 4. (अ) 5. (स)

(ख) 1. सात्विक 2. तरफदारी 3. भाई 4. मामी 5. सिर

(ग) 1. माँ ने 2. माँ ने 3. मामी ने 4. सात्विक ने 5. सात्विक ने

(घ) 1. नदी किनारे बच्चे कुछ खेल रहे थे। 2. सात्विक ने वासु की पिटाई इसलिए की क्योंकि वह माँ से झूठ बोल रहा था। 3. वासु के जाने के कुछ देर .... जाकर कह दे।'' 4. कोलकाता में सात्विक के मामा रहते हैं। 5. स्कूल में सात्विक की तरह बेवकूफ और पढ़ने .... चुपचाप पिटता रहता।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. इन्डिया 2. नवम्बर 3 चिन्ता 4. आनन्द 5. सुन्दर 6. नन्दा

(ख) 2. सुरक्षा + इत 3. इतिहास + इक 4. संस्कृति + इक 5. उत्साह + पूर्वक

अनुभव विस्तार

(क) स्वयं करे

(ख) स्वयं करे

24. सत्साहस

लिखित प्रश्न

(क) 1. शूरवीरों 2. दो राजपूत 3. कर्तव्यपरायण 4. मारवाड़ 5. बुद्धन 6. गुप्त

(ख) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗

(ग) स्वयं करें

(घ) 1. लेखक ने संसार के सभी कार्यों को पूरा करने के लिए साहस को आवश्यक बताया है। 2. उच्चकोटि के साहस के लिए कर्तव्यपरायण .... अपना कर्तव्य किया। 3. लेखक ने साहस की तीन श्रेणियाँ व्यक्त की है। 4. सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए हाथ .... का नाम है 'कर्तव्यपरायण'। 5. मारवाड़ के गाँव का जमींदार .... सेवा के लिए पहुँच गया। 6. सत्साहसी के लिए स्वार्थ भी परमावश्यक है। .... भी संकोच नहीं

करते। 7. सत्साहसी व्यक्ति में एक गुप्त शक्ति रहती है, ... फटकने तक नहीं देता है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करे

(ख) 1. कायरता 2. गायब 3. कायर 4. उच्च 5. तेज 6. कमजोरी

(ग) 1. शासक 2. अश्व 3. हमला 4. करोड़

काव्या हिंदी - 7

1. नर हो न निराश करो मन को

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (अ) 3. (अ)

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ग) 1. प्रभु ने तुमको कर दान किए, सब वांछित वस्तु-विधान किए। तुम प्राप्त करो उनको न अहो, फिर है यह किसका दोष कहो? समझो न अलभ्य किसी धन को, नर हो न निराश करो मन को।। 2. सँभलो कि सुयोग न जाए चला, कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला? समझो जग को न निरा सपना, पथ आप प्रशस्त करो अपना अखिलेश्वर हैं अवलंबन को, नर हो न निराश करो मन को।।

(घ) 1. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि मनुष्य से कहता है कि हे मनुष्य! ऐसा कौन-सा सुख है जो तुम्हें प्राप्त नहीं हो सकता। तुम भी तो ईश्वर के बनाए हुए प्राणी हो। फिर तुम्हारे लिए भी दुर्लभ क्यों है अर्थात् तुम्हारे लिए कुछ भी दुर्लभ नहीं हैं। इसलिए तुम अपने को निराश मत करो। तुम मनुष्य हो तुम सबकुछ कर सकते हो। 2. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि हे मनुष्य् तुम्हें कुछ-न-कुछ कार्य करते रहना चाहिए जिससे जग में रहकर अपना नाम कर सको। तुम अपने जीवन को व्यर्थ न समझो तथा वह काम करो जिसकें लिए तुम्हारा जन्म हुआ है। तुम अपने तन का कुछ उपयोग करो। तुम मनुष्य हो, तुम निराश न हो, तुम सब कुछ कर सकते हो।

(ङ) 1. ईश्वर ने हमें हाथ और सभी वस्तुएँ प्रदान की हैं। 2. हमारी असफलता के लिए हम स्वयं दोषी है। 3. हमारे जन्म की सार्थकता इसमें है कि हम वह काम करे जिसके लिए हमारा जन्म हुआ हो। 4. हमें निराश इसलिए नहीं होना चाहिए क्योंकि हम मनुष्य है और हम सब काम कर सकते हैं। 5. हमें अपने बारे में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऐसा कोई भी काम नहीं है जो हम नहीं कर सकते। 6. जग में हम अपना नाम इस प्रकार कर सकते हैं कि हम वह काम करे जिसके लिए हमारा जन्म हुआ है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) मनुष्य, गर्व, नया, अनोखा, योग्य, विश्व, मार्ग

(ख) निष + क्रिय, अखिल + ईश्वर, अव + अलंबल, पूर्व + उत्तर

(ग) अ + लभ्य, अव + लंबन, उप + युक्त, सु + योग

(घ) बेकार, स्वयं, जो आसानी से प्राप्त न हो, केवल, मतलब, जिसे प्राप्त नहीं किया जा सकता, सम्मान, आवश्यक

(ङ) संभलो-सँभलो, प्रशस्त-प्रशस्त, निष्क्रिय-निष्क्रिय, गौरव-गौरव, गुँजित-गुंजित, विदिवाद-विधिवाद

(च) 1. संसार में ऐसा कुछ नहीं हैं जो तुम्हारे लिए अलभ्य है। 2. हमें सदा उद्यम करते रहना चाहिए। 3. समय को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। 4. सभी को उपयुक्त वरदान प्राप्त है। 5. व्यक्ति सभी गौरव के योग्य है।

2. चावल का मूल्य

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ) 3. (अ)

(ख) 1. तीसवें 2. प्रजा 3. राजसी भंडार गृह 4.

चावलों 5.लक्ष्मी

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. राजा ने लोगों से 2. मंत्रियों ने राजा से 3. चौकीदार 4. लक्ष्मी ने राजा से 5. राजा ने स्वयं से

(ङ) 1. राजा के राज्य के लोग चावल उगाते थे। 2. राजा ने आदेश दिया कि .... संग्रहीत करके रखूँगा।'' 3. राजा ने लोगों को वचन दिया, ... भूखा नहीं मरेगा।'' 4. राजा के मंत्रियों ने राजा से आग्रह किया, ... पर्याप्त चावल देंगे।'' 5. राजा लक्ष्मी को चावल वापस करने के लिए पुरस्कार देना चाहता था। 6. लक्ष्मी ने राजा से चावल लेने की शर्त रखी कि आज आप मुझे .... तक मुझे चावल देंगे।'' 7. लक्ष्मी को दिए वचन को पूरा करने में राजा का राजसी भंडारगृह खाली हो गया। 8. राजा ने कहा, ''मैं वचन देता हूँ .... राजा को होना चाहिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) निर्धन–धनी, अत्यधिक–कम, ईमानदार–बेईमान, आवश्यक–अनावश्यक, बुद्धिमान –बुद्धिहीन, न्यायी–अन्यायी, पर्याप्त–अपर्याप्त, राजा–रंक

(ख) समय गुजरता गया, लोग भूख से मरने लगे। लेकिन राजा ने लोगों को चावल नहीं दिया। एक दिन राजा ने अपने और अपने दरबारियों के लिए एक दावत का आयोजन किया। राजा का मानना था कि एक राजा को समय–समय पर दावत का आयोजन करना चाहिए, चाहे अकाल का समय ही क्यों न चल रहा हो।

नए वाक्य

1. टोकरी से थोड़ी मात्रा में चावल गिर रहे थे। 2. राजा ने लोगों को वचन दिया। 3. प्रत्येक किसान अपने चावल राजा को देता था। 4. राजा का भंडारगृह चावल से भर गया था। 5. किसान को खाने के लिए पर्याप्त मात्रा में चावल न मिला।

3. मछुआ और मछली

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (ब) 3. (ब)

(ख) 1. मछुवी 2. दोषों 3. तैरना 4. निर्बुद्धि 5. मछली

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. जब हम किसी पर उपकार करते हैं तो उसमें हमारी सेवा का भाव होता है। लेकिन जब हम किसी से लेन–देन करते हैं तो यहाँ बराबर का भाव होता है। 2. मनुष्य की आकांक्षाओं का कोई अंत नहीं है। एक आकांक्षा के पूरी होते ही दूसरी आकांक्षा उत्पन्न हो जाती है। 3. मनुष्य का स्वभाव है कि वह दूसरों के कार्यों को महत्व न देकर केवल अपने ही कामों को महत्व देता है। वह उन्हे ही आवश्यक कार्य समझता है। 4. मनुष्य का स्वभाव है कि जब तक कोई वस्तु उसे प्राप्त नहीं होती तब तक ही वह उसके लिए बेचैन रहता है जैसे ही वह वस्तु उसे प्राप्त हो जाती है उसकी बेचैनी समाप्त हो जाती है।

(ङ) 1. मछुआ और मछुवी झाड़ के नीचे टूटी–फूटी झोपड़ी में रहते थे। 2. एक दिन एक घटना हो गई। छोटी मछली ने मछुवे को घर, धन, राजकीय वैभव दिया। 3. मछुअे ने कहा, ''हम लोगों के लिए तू एक .... अच्छा घर बन गया था। 4. मछुअे की पत्नी ने छोटी मछली की कथा सुनकर उसे निर्बुद्धि समझा और अपने पति से कहा कि वह कोई साधारण मछली नहीं है वह तो कोई देवी है। 5. मछुवे ने मछली से कहा कि– सूर्य चंद्र, मेघ आदि उसकी पत्नी की ....झोपड़ी में रहा।'' 6. लेखक ने मछली को ही दोषी इसलिए बताया क्योंकि मछुवे की स्त्री ने जो

कुछ ....उचित नहीं कहा जा सकता।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. के में 2. को 3. के, का, का, से, का 4. का, पर

(ख) कड़वा + आहट = कड़वाहट;

झुँझला + आहट = झुँझलाहट;

गरम + आहट = गरमाहट;

सकपकाना – सकपकाहट;

चिकना – चिकनाहट;

घबराना – घबराहट;

हिचकिचाना – हिचकिचाहट;

चिल्लाना – चिल्लाहट;

बड़बड़ाना – बड़बड़ाहट

वाक्य बनाइए

1. मछली ने मछुए को अभिशाप दे दिया। 2. मछुए ने मछली को सुरक्षित नदी में छोड़ दिया। 3. राजकीय वैभव देखकर मछुवी प्रसन्न हो गई। 4. मछुवे ने मछली से राजकीय वैभव मागाँ। 5. मछुवी ने जो किया मनुष्य स्वभाव के अनुकूल किया।

4. देश के प्रति हमारे कर्त्तव्य

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (द)

(ख) 1. जापानी 2. अपने 3. स्वीकार 4. शल्य 5. कर्ण

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗

(घ) 1. हम अपने कार्यों को देश के अनुकूल होने की कसौटी पर कसकर चलने की आदत डालें यह बहुत उचित है, बहुत सुंदर है, पर इसमें तब तक सफल नहीं हो सकते, जब तक कि हम देश की भीतरी दशा को ठीक-ठीक न समझ लें और उसे हमेशा अपने सामने न रखें। अर्थात् हमें अपने कार्यों से देश के सम्मान की रक्षा करनी चाहिए। 2. हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य से हमारे देश की कमजोरी सबके सामने आए। हमें अपने देश की दो बातों का सबसे अधिक ध्यान रखना चाहिए– एक उसकी शक्ति बोध और दूसरी सौंदर्य-बोध।

(ङ) 1. मैं अपने देश का नागरिक हूँ और मानता हूँ .... यह मेरा अधिकार है। 2. जापानी युवक द्वारा स्वामी रामतीर्थ को फलों की टोकरी लाकर देने से उसकी अपने देश का गौरव बढ़ाने की विशेषता का पता चलाता है। 3. जब जापानी युवक ने स्वामी जी से कहा ''आप इनका मूल्य देना .... सुनकर मुग्ध हो गए। 4. मतलब साफ है– एकदम साफ कि जहाँ ....लांछित करता रहा। 5. एक दूसरे देश का निवासी .... निकाल दिया गया।

भाषा एवं व्याकरण

(ख) 1. गुनहगार 2. जवान 3. तस्वीर 4. मधु 5. वैभव 6. ग्रामीण

वाक्य बनाइए

1. हमारे देश के महान् संत जापान गए। 2. स्वामी जी ने युवक को फल बेचने वाला समझा। 3. स्वामी जी युवक का उत्तर सुनकर मुग्ध हो गए। 4. अपने देश के मस्तक पर कलंक नहीं लगाना चाहिए। 5. हमें दूसरे देश के लोगों का सम्मान करना चाहिए।

5. चोर का बलिदान

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (ब) 3. (द) 4. (स) 5. (ब)

(ख) 1. अंधकार 2. चोर 3. विचार-विमर्श 4. तोता 5. प्राण

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. राजा ने अपने पुत्र से 2. व्यापारी के पुत्र ने मंत्री के पुत्र से 3. मंत्री के पुत्र ने मित्रों से 4. चोर ने मित्रों से 5. मुखिया ने चारों युवको से 6. चोर ने मुखिया से

(ङ) 1. तीनों मित्रों के पिता ने उनसे इसलिए अप्रसन्न थे क्योंकि वह तीनों कोई काम नहीं करते थे। सारा समय मौज–मस्ती करते थे। 2. तीनों मित्र पर्वत पर इसलिए गए क्योंकि वहाँ कीमती रत्न पाए जाते हैं। 3. मित्रों ने रत्न सुरक्षित रखने के लिए अपना–अपना रत्न निगल लिया। 4. मुखिया को नवयुवकों के पास रत्न होने का पता इसलिए चला क्योंकि मुखिया के तोते ने कहा ''यात्रियों के पास रत्न हैं, यात्रियों के पास रत्न हैं।'' 5. चोर ने मुखिया से सबसे पहले अपना पेट चीरने के लिए कहा। जब चोर का पेट चीरा गया तो उसके पेट में से कुछ नहीं मिला। मुखिया ने सोचा कि उसके तोते ने झूठ बोला है और बाकी के लोगों को छोड़ दिया।

भाषा एवं व्याकरण

(क) मूल्य– मूल्यवान, बहुमूल्य, अमूल्य, मूल्यांकन, धन– धनवान, निर्धन, वन– वनवासी, वनजीवी, वनमानुष, पर्वत– पर्वतीय, पर्वतारोही, मंत्री– उपमंत्री, राज्यमंत्री, गृहमंत्री, प्रधानमंत्री

(ख) 1. मेरा तोता कभी झूठ नहीं बोलता। 2. तलाशी में रत्न नहीं मिले। 3. मुझे घोर पाप लगेगा। 4. घने जंगल में चोर और लुटेरे होते हैं। 5. चोर ने उन तीनों की बातें सुन ली।

(ग) 1. पर्वत पर बहुमूल्य रत्न मिलते हैं। 2. मुखिया ने पेट चीरने का आदेश दिया। 3. राजा का पुत्र सारा समय व्यर्थ कर देता हैं। 4. पर्वत पर तीनों को रत्न मिलें। 5. चोर ने मुखिया से विनती की।

6. मैं सुमन हूँ

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (अ)

(ख) 1. रूप का श्रृंगार यदि मैंने किया है, साथ शव का भी हमेशा ही दिया है; खिल उठा हूँ यदि सुनहरे प्रात: में मैं, मुस्कराया हूँ अँधेरी रात में मैं, मानता सौंदर्य जीवन की कला का संतुलन हूँ, मैं सुमन हूँ।।

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. फूल कहता है कि जो कोई भी उसे तोड़ने के लिए अपने हाथ बढ़ाता है फूल उसके गले का हार बन जाता है। मैं चाहे राह पर बिछ जाऊँ या किसी देवता के सिर पर चढ़ जाऊँ। मेरे लिए दोनों ही बराबर हैं। मै अपने ह्दय से सभी पर स्नेह लुटाता हूँ। मैं सुगंध के कण हूँ। मैं सुमन हूँ। 2. फूल कहता है कि यदि मैंने रूप का श्रृंगार किया है तो मैं शव पर भी चढ़ाया जाता रहा हूँ। यदि मैं सुबह को खिलता हूँ तो मैं अँधेरी रात में मुस्कुराता रहा हूँ। मै सौंदर्य जीवन की कला का संतुलन हूँ। मैं फूल हूँ।

(ङ) 1. कविता के माध्यम से कवि ने संदेश दिया है कि हमें पुष्प की तरह हर परिस्थिति में हमेशा मुस्कुराते रहना चाहिए। 2. सुमन को अपने जीवन में ग्रीष्म, वर्षा, शीत आदि कठिनाइयों का सामान करना पड़ता है। इन कठिनाइयों से सुमन जिंदगी को हँसकर जीता है। 3. सुमन के विचार से जीवन जीने की कला मानव सौंदर्य हैं। 4. सुमन अपना जीवन हँसकर जीता है। 5. सुमन अपने साथ बुरा बर्ताव करने वाले के प्रति प्रसन्नता का व्यवहार करता है। 6. मुख्यत: फूलों का प्रयोग निम्नलिखित होता है 1. राह पर बिछाने, 2. देवता पर चढ़ाने 3. श्रृंगार में आदि।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. फूल श्रृंगार के काम आते हैं। 2. मानव सौंदर्य जीवन की कला है। 3. फूल का आवास व्योम के नीचे हैं। 4. फूल निरंतर मारुत की मार झेलता है। 5. फूल में सुरभि (सुगंध) के कण हैं।

7. बाघ के नाखून

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (द) 3. (द) 4. (अ) 5. (ब)

(ख) 1. अफजल खान 2. मुगलों 3. चालाकी 4. मित्र 5. गले लगाने

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. अफजल खान ने मोहब्बत खान से

2. पिंगले ने शिवाजी से

3. मोहम्मद अली ने अफजल खान से

4. मोहब्बत खान ने अफजल से

(ङ) 1. अफजल खान शिवजी को पाकड़कर कैद करना चाहता था। 2. अफजल खान अपनी सफलता के प्रति असहज और आशंकित इसलिए था क्योंकि शिवाजी बहुत चतुर एवं ताकतवर थे। 3. बड़ी साहिबा ने अफजल खान को सलाह दी कि शिवाजी को चालाकी से पकड़ लेना चाहिए। 4. पिंगले ने शिवाजी को अफजल खान से खुला युद्ध न करने की सलाह इसलिए दी क्योंकि पिंगले के अनुसार, ''उनके आदमी खुले युद्ध के लिए तैयार नहीं थे। 5. शिवाजी ने योजना बनाई कि वे अपने कपड़े के नीचे सुरक्षाकवच पहनकर अफजल खान से मिलेंगे। उनके हाथ में बधनख होगा और कमर में विषयुक्त कटार छिपी होगी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. अफजल खान, तुम अपनी सफलता के प्रति विश्वस्त लग रहे हो। 2. जब मैं उनके पास पहुँचा, वे घृणा से पीछे हट गए। 3. अगर तुम उसकी शक्ति से डरते हो तो, उसे चालाकी से पकड़ सकते हो। 4. जब वे तुम्हारी सेना को देखेंगे तो, उसके आदमी उससे तुम्हारी शर्तें मानने की प्रार्थना करेगे। 5. मैंने तैयारी कर ली हैं, मुझे सफलता का पूरा विश्वास है।

वाक्य बनाइए

1. अफजल स्वयं को चालाक सिद्ध करना चाहता था। 2. अफजल शिवाजी को दोस्ती का प्रस्ताव देना चाहता था। 3. शिवाजी को मारना अत्यंत कठिन था। 4. अफजल खान अपनी सफलता के प्रति विश्वस्त लग रहा था।

8. आप भले तो जग भला

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) 1. शक्ल 2. अनुचित 3. परीक्षक 4. गांधी जी 5. ज्ञानी

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. दोनों कुत्तों के व्यवहार में यह भिन्नता थी कि पहला कुत्ता तो दूसरों को देखकर प्रसन्नचित्र नहीं था परन्तु दूसरा कुत्ता दूसरों को देखकर प्रसन्न था। 2. दुनिया काँच के महल जैसी है। अपने स्वभाव की छाया ही उस पर पड़ती है। 3. अगर आप प्रसन्नचित्त रहते हैं दूसरों के दोषों को न .... ही हितकारी होगा। 4. अब्राहम लिंकन के अनुसार आपकी सफलता का सबसे बड़ा रहस्य यह है कि कभी दूसरों की अनावश्यक नुक्ताचीनी नहीं करना। 5. ईसा ने कहा था, '' लोग दूसरों .... को नहीं देखते।''

भाषा एवं व्याकरण

(क) किसी वस्तु से आवाज का टकराकर वापस आना, याद, माहिर, खुश, कमी, संतुष्टि, दोष, शुरुआत

(ख) 1. हमें दूसरों के दृष्टिकोण को समझना चाहिए। 2. मन में क्रोध जाग्रत किए बिना उत्तर देना चाहिए। 3. कुत्ता विशाल काँच के महल में चला गया। 4. कुत्ते को आवाज की प्रतिध्वनि आने लगी। 5. बापू सहानुभूति की मूर्ति थे।

9. हॉकी के युगपुरुष ध्यानचंद

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (द)

(ख) 1. रूपसिंह 2. ब्राह्मण 3. 1962 4. पराधीनता 5. मानव

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

(घ) 1. मेजर ध्यानचंद का जन्म .... परिवार में हुआ था। 2. सन् 1962 में ध्यानचंद को अपनी खेलकला का जादू .... देश-विदेश में फैल गई। 3. द्वितीय विश्व युद्ध के कारण ओलंपिक खेल ....धाक जमी हुई थी। 4. ध्यानचंद अपनी स्टिक से गेंद लेकर .... विश्वास ना होता था। 5. लोगों ने उनकी हॉकी स्टिक के बारे .... आगे लिए जाती है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) पराधीनता, देखी, पहली, अत्यंतता, साधारणता, तानाशाही

वाक्य बनाइए

1. नई पीढ़ी ध्यानचंद के जीवन के विषय में प्राय: पूर्णतया अनभिज्ञ है। 2. हमें साहित्य के प्रति रुचि होनी चाहिए। 3. ध्यानचंद की प्रतिभा प्रेरणा एवं अभ्यास से पुष्ट होकर देदीप्यमान हुई। 4. ध्यानचंद की जिज्ञासा पूर्णतया शांत नहीं हुई। 5. ध्यानचंद को हॉकी में बहुत रुचि थी।

10. कलाम की आत्मकथा

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (ब) 3. (अ) 4. (द)

(ख) 1. आध्यात्मिक 2. मध्यमवर्गीय 3. उदारता 4. पंद्रह 5. पद्म विभूषण

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(घ) स्वयं करें

(ङ) 1. जब कलाम पाँचवीं कक्षा में थे तो उनके नए शिक्षक ने उनके मुसलमान होने के कारण उन्हें उनके मित्र शास्त्री को पास से उठाकर पीछे बिठा दिया था। 2. डॉ० कलाम का प्रारंभिक जीवन बहुत ही कष्टों और सादेपन से बीता। भौतिक व भावात्मक दोनों तरह से। 3. डा० कलाम का जन्म एक मध्यमवर्गीय तमिल परिवार में हुआ था। 4. जलालुद्दीन और शमसुद्दीन का कलाम के बाल जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। 5. जब द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ा तक कलाम की आयु आठ वर्ष थी। 6. कलाम अपने मान के विचारों एवं मस्तिष्क को स्थिर रखने लक्ष्य प्राप्ति के लिए रामेश्वरम् न लौटकर अपने घर से और दूर चले गए। 7. अग्नि मिसाइल के सफल प्रक्षेपण के लिए कलाम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. देव + आलय 2. महा + ईश्वर 3. स्व + अधीन 4. गिरी + ईश 5. देव + ऋषि 6. लघु + ऊमि 7. पर + उपकार 8. शिष्ट + आचार

(ख) भगवान, संसार, मालदार, सामान्य, जरूरी, उम्र

(ग) नाश, कुसंगति, अनौपचारिक, अवगुण, असहज, अशिक्षित, प्राकृतिक

वाक्य बनाइए

1. कलाम की औपचारिक शिक्षा नहीं हुई थी। 2. कलाम को आवश्यक वस्तुएँ समुचित मात्रा में उपलब्ध 3. कलाम को सभी सामान उपलब्ध थे। 4. मैंने पिताजी से नमाज की प्रासंगिकता के बारे में पूछा। 5. तीनों मित्र मंदिर की श्रद्धा से परिक्रमा करते थे।

11. मूर्खों का संसार

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (द) 3. (द) 4. (द)

(ख) 1. कुटिल 2. चमत्कार 3. अभिमान 4. मूर्ख 5. शोभा

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(घ) स्वयं करें

(ङ) 1. जो विवेकशून्य है, बुद्धि से काम न लेता हुआ, बिना विचारे मनमाना आचरण करता है; वह मूर्ख कहा जाता है। 2. जो अपने ज्ञातापन के अभिमानवश हठ बनकर जो .... वह पठित मूर्ख है। 3. पठित मूर्ख से मूर्खता की अपेक्षा नहीं की जाती, परंतु अहंकारवश उसका .... उपक्रम किया जाता है। 4. जिनके पेट से जन्मा, उन्हीं का विरोध करता है, ...सुनने वाला मूर्ख है। 5. दुर्लभ जीवन– साधन लाभकर प्राप्त विवेक .... सहज स्वरूप–स्वभाव है। 6. सद्गुणों को धारण करने से मानव देवत्व को प्राप्त करता है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्व + अर्थ, दुर + आशा, देव + आलय, परम + अर्थ, ज्ञान + उपदेश, दुर् + वचन

(ख) महान + ता, गुण + वान, दया + आलु, इ + च्छा, सेवा + अक, अच्छा + आई

(ग) कु + पात्र, सत् + कर्म, अप + यश, अनु + राग, वि + शुद्ध, सु + लभ

नए वाक्य

1. प्रधानचार्य ने मोक्ष की प्रशंसा की। 2. महात्मा जी के ज्ञानोपदेश सुनने के लिए दूर–दूर से लोग आते हैं। 3. कालिदास की विद्वत्ता चारों ओर फैली थी। 4. शिवाजी की आज्ञा की अवज्ञा करने का साहस किसी में नहीं था। 5. उसकी जीविका का एकमात्र साधन यह दुकान ही है।

12. स्वदेश प्रेम

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (द) 3. (द)

(ख) 1. विषुवत रेखा का वासी जो, जीता है नित हाँफ–हाँफ कर। रखता है अनुराग अलौकिक, वह भी अपनी मातृभूमि पर।।

2. तुम तो हे प्रिय! बंधु स्वर्ग–सी, सुखद, सकल विभवों की आकार। धरा शिरोमणि मातृभूमि में, धन्य हुए हो जीवन पाकर।।

(ग) स्वयं करें

(घ) 1. कवि के अनुसार विषुवत रेखा का निवासी हाँफ–हाँफकर जीता है। 2. भारतवर्ष को कवि ने स्वर्ग के समान देश बताया है। 3. जो विषुवत रेखा का वासी है जहाँ बहुत गर्मी पड़ती है वह भी अपनी मातृभूमि से प्रेम करता है। इसी प्रकार ध्रुव के वासी हैं जहाँ बहुत अधिक ठंड पड़ती है वे भी अपनी मातृभूमि से अत्यंत प्रेम करते हैं। 4. भारतवासी को स्वदेश–प्रेम हेतु कवि यह संदेश देता है कि जिस भूमि में तुमने जन्म लिया है उसका सम्मान बढ़ाना चाहिए। 5. 'सकल विभवों' कथन से कवि का आशय है– साकार रूप 6. इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं करनी चाहिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) ध्रुववासी, शिरोमणि, अलौकिक, मातृभूमि, अवशिष्ट, आत्मगौरव

(ख) नीचा, निर्भय, दयालु, नरक, मरण, विरोग

(ग) हिम, भूमि, जल, जीवन, अन्न, मुख

नए वाक्य

1. हिमालय पर्वतों का शिरोमणि है। 2. हमें अवशिष्ट को नाली में नहीं बहाना चाहिए। 3. भगवान बुद्ध के चेहरे पर अलौकिक प्रकाश था। 4. भारत हमारी मातृभूमि है। 5. हमें आत्मगौरव की रक्षा करनी चाहिए।

13. वीर बालक

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (स) 3. (अ) 4. (द)

(ख) 1. शयनकक्ष 2. शत्रु 3. भूख 4. कटार 5. शिवाजी

(ग) 1. तानाजी ने शिवाजी से 2. सुभाग राय ने मालोजी से 3. मालोजी ने शिवाजी से 4. शिवाजी ने मालोजी से 5. मालोजी ने शिवाजी ने

(घ) 1. मालोजी शिवाजी से इसलिए नाराज था क्योंकि उसके पिता की मृत्यु के बाद शिवाजी ने उनके परिवार की देखभाल नही की। 2. मालोजी की माँ मालोजी को यह समझाती है कि यदि शिवाजी को उनकी स्थिति के बारे में पता होता तो वे अवश्य उनकी सहायता करते। 3. सुभागराय मालोजी को अत्यधिक धन का लालच देकर उससे शिवाजी का वध कराना चाहता था। 4. मालोजी शिवाजी की हत्या करने को इसलिए तैयार हो जाता है क्योंकि वह मालामाल होना चाहता था। 5. शिवाजी मालोजी को दंड इसलिए नहीं देते क्योंकि वह एक वीर बालक था और मजबूरीवश ही उनकी हत्या करना चाहता था।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. तुम मुझे क्यों मरना चाहते हों? 2. क्या तुम शिवाजी का वध करोगे? 3. मैं अगर डरता तो यहाँ क्यों आता? 4. तुम क्या जानते हो? 5. आपका शत्रु कौन है?

(ख) स्वाधीनता, कायरता, अनुपस्थित, सायं, रात, बोध, निरादर, पूर्ण

(ग) प्रतीक्षा, प्रहार, विपुल, योद्धा, कर्तव्य, स्थापित

नए वाक्य

1. मालोजी ने शयन कक्ष में प्रवेश किया। 2. मालोजी को विपुल धन चाहिए था। 3. एक निर्धन बुढ़िया चारपाई पर बैठी थी। 4. एक छत्र राज्य स्थापित करने के लिए मालो जी के पिता की मृत्यु हुई। 5. सुभागराय ने संदेश सुनने के लिए प्रतीक्षा की।

14. सच और झुठ

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (स) 3. (द) 4. (द)

(ख) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ग) 1. धनवान 2. धर्मचंद 3. धन 4. प्रसन्न 5. धर्मचंद

(घ) 1. धर्मचंद ने कर्मचंद से 2. कर्मचंद ने धर्मचंद से 3. कर्मचंद ने राजा से 4. चोर ने कर्मचंद से 5. कर्मचंद के चाचा ने लोगों से

(ङ) 1. कर्मचंद ने धर्मचंद से कहा, कि ''यदि हमें .... नहीं कमा पाएँगे'' 2. धर्मचंद का परिवार गरीब था इसलिए वह .... बात मान ली। 3.जंगल में कर्मचंद ने धर्मचंद को धन दबाने की सलाह इसलिए दी क्योंकि उसके मन में लालच आ गया था। 4. कर्मचंद सारा धन लालच के कारण निकालकर ले गया। 5. धर्मचंद ने वृक्ष की जड़ों में आग लगा दी जिससे उसके ऊपर छिपा बैठा कर्मचंद का चाचा भी जलने लगा। जैसी ही वह चिल्लाया सब समझ गए कि कर्मचंद ही चोर है। 6. राजा ने तुरंत आदेश दिया कि कर्मचंद व उसके चाचा को .... विजय होती है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) उल्टे–सीधे, मिल–जुलकर, रात–दिन, माता–पिता

(ख) निर्धन, अशुद्ध, दिन, नरम, दुःखी

नए वाक्य

1. धर्मचंद निर्दोष था। 2. कर्मचंद प्रभु से प्रार्थना कर रहा था। 3. धर्मचंद व कर्मचंद में घनिष्टता थी। 4. कर्मचंद धनवान बनना चाहता था। 5. कर्मचंद ने कल्पना भी नहीं की थी कि ऐसा होगा।

15. गौशाला

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (ब)

(ख) 1. वास्तु विद्या 2. चर्चा 3. गाय 4. विलायती 5. बुढ़ापे

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. अंकल एक गरीब मजदूर था। 2. रामफल काका ने अंकल को क्या समस्या बताई कि अंकल, जरा चलो, भानसघर .... हुकुम सिर आँखों पर। 3. रामफल काका ने दो गाड़ी पुआल गौशाला के लिए दिया था। 4. अंकल भीख माँगने के लिए इसलिए मजबूर हो गया। 5. अंकल गाँव छोड़कर इसलिए जा रहा था क्योंकि अब गाँव में उसका गुजारा नहीं चलता था।

भाषा एवं व्याकरण

(क) खुशमिजाज, स्वस्थ, न्याय, नरक, वंचित, प्यार

(ख) भयानकता, बुढ़ापा, काली, उदारता, अधिक, कंजूसी

(ग) ठंडा, चाँदी, शिष्य, निराकार, नरक, अपरिग्रह

नए वाक्य

1. रिमझिम वर्षा हो रही थी 2. अंकल पर विदेशी आर्यों के मिश्रण का प्रभाव रंग पर नहीं पड़ा। 3. अंकल महीन चादर ओढ़ कर चले गए। 4. अंकल की उदारता की चर्चा पूरे गाँव में होती थी 5. विदेशी कलाकार जीवंत तस्वीरें लेते है।

16. भोलाराम का जीव

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ) 3. (द)

(ख) 1. व्यंग्य 2. जबलपुर 3. पाँच 4. साहब 5. फाइल

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. धर्मराज ने यमदूत से 2. चित्रगुप्त ने यमदूत से 3. यमदूत ने धर्मराज से 4. माँ ने नारद से 5. बाबू ने नारद से

(ङ) 1. ''अरे, तू कहाँ रहा इतने दिन? भोलाराम का जीव कहाँ है?'' 2. धर्मराज क्रोधित होकर बोले, ''मूर्ख जीवों को .... चकमा दे दिया।'' 3. भोलाराम नाम के एक आदमी की पाँच दिन पहले मृत्यु हुई। .... भेद ही मिट जाएगा।'' 4. नारद भोलाराम के जीव को ढूँढ़ने के लिए पृथ्वी पर गए। 5. नारद ने पेंशन दफ्तर के साहब को अपनी वीणा इसलिए दे दी क्योंकि उन्हें भोलाराम की पेंशन दरख्वास्त निकलवानी थी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) दफ्तर, पेंशन, स्टेशनरी, टेबल, आर्डर, फाइल, पोस्टमेन, विजिटिंग कार्ड

(ख) स्त्री, पाप, अनिश्चित, स्वर्ग, रूप, परलोक, असावधानी, असंभव, अवास्तविक

नए वाक्य

1. पुण्य करते रहना चाहिए। 2. साधु की वीणा से अच्छे स्वर निकलते हैं। 3. असंख्य लोग स्वर्ग में निवास स्थान अलाट करा रहे थे। 4. नरक के द्वार पर यमदूत खड़े थे। 5. यमदूत के अभ्यस्त हाथों से कोई नहीं छूटा।

17. जलाओ दीये

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ)

(ख) 1. मगर दीप की दीप्ति से सिर्फ जग में नहीं मिट सका है धरा का अँधेरा, उत्तर क्यों न आएँ नखत सब गगन के, नहीं कर सकेंगे हृदय में उजेरा, कटेगी तभी यह अँधेरी घिरी, जब स्वयं धर मनुज दीप का रूप आए।। 2. नई ज्योति के धर नए पंख झिलमिल उड़े मर्त्य मिट्टी गगन-स्वर्ग छू ले लगे रोशनी की झड़ी झूम ऐसी, निशा की गली में तिमिर राह भूले, खुले मुक्ति का वह किरण द्वारा जगमग, उषा जा न पाए, निशा आ न पाए।

(ग) जब तक पूरे विश्व में किसी भी द्वारा पर उदासी है तब तक इस संसार का निर्माण अधूरा है। मानवता तब तक पूर्ण नहीं बनेगी

जब तक की यह भूमि लहू के लिए प्यासी है। भले ही यहाँ रोज दीवाली आए पर यहाँ हमेशा नुकसान का खेल चलता रहेगा।

(घ) 1. कवि के अनुसार दीप उजाले का प्रतीक है। 2. कवि अँधेरा न छूटने देने की बात इसलिए कहता है क्योंकि नई ज्योति के घर नए पंख झिलमिलाएँगे 3. कवि ने सृजन को अधूरा तब कहा है जब तक कहीं भी किसी भी द्वार पर उदासी हो। 4. जब तक हृदय में उजाला नहीं होगा तब तक केवल नक्षत्रों के प्रकाश से पृथ्वी का अँधेरा नहीं मिट सकता। 5. कविता के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि हमें संसार में सभी का भला करना चाहिए ताकि कहीं भी गरीबी रूपी अँधेरा न रह जाएं।

भाषा एवं व्याकरण

(क) विशेषण, संज्ञा, संज्ञा, विशेषण, क्रिया, संज्ञा, संज्ञा, संज्ञा

(ख) 1. अम्बर, आसमान, नभ 2. विश्व, जगत, लोक 3. निशा, रात, दामिनी 4. धरा, जमीन, भूमि

नए वाक्य

1. मनुजता को पूर्ण करना पड़ेगा। 2. सिर्फ दीप की दीप्ति से जग का अँधेरा नहीं मिट सकता। 3. उषा को धरती पर लाना है। 4. धरा का अँधेरा कहीं रह न जाए। 5. विश्व-भर में सृजन अधूरा है।

18. कलिंग विजय

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (ब) 3. (स) 4. (ब)

(ख) 1. गीत 2. गाना गाती 3. गायिका 4. ऋषियों 5. भाई

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. गायिका ने नंदिनी से 2. नंदिनी ने गायिका से 3. रेखा ने नंदिनी से 4. अशोक ने रेखा से 5. गायिका ने अशोक से

(ङ) 1. गायिका उपेंद्र की बहन थी वह अशोक के पास अपने भाई की मृत्यु का बदला लेने आई थी। 2. उपेंद्र के अंतिम शरण थे– चंडाशोक एक दिन तुम अपने शत्रुओं के ही दास बनोगे। 3. अशोक कलिंग की राजकुमारी को अपनी बहन इसलिए बना लेता है क्योंकि वह स्वयं को उसके भाई का हत्यारा मानता है। 4. गायिका की बातें सुनने के बाद अपने पश्चाताप के लिए अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था। 5. स्वयं कीजिए।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं कीजिए।

(ख) कमरा, निश्चित, बड़ी संख्या में, अचानक, मनमोहक, जोड़, बिना दोष का, कमजोर, बौद्ध संन्यासिनी

(ग) पाषाण, धनुष, आर्यावर्त, उत्सुकता, निर्वासन, नेपथ्य, करुण, भ्रमर, आकांक्षा

नए वाक्य

1. गायिका ने कहा कलिंग का दृश्य देखिए महाराज। 2. गायिका अनुभव की कहानी सुना रही थी। 3. गायिका नियत समय पर पहुँच गयी। 4. सम्राट स्वयं को दोषी मानता है। 5. गायिका का गीत सुनकर अशोक का हृदय पिघल गया।

19. आधुनिक गद्य की ठिठोली

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

(ख) 1. बुरा 2. सनातन 3. रहीमदास 4. सानिया मिर्जा 5. कैंटीन

(ग) जो मनुष्य किसी के सामने हाथ फैलाने जाते है, वे मृतक के समान है, और वे लोग तो पहले से ही मृतक है, मरे हुए है, जो मागने पर भी साफ इन्कार कर देते है।

(घ) 1. भिखारी ने लेखक को अल्टीमेटम देते हुए कहा, ''देखिए मिस्टर आप मेरा क्वालिटी टाइम वेस्ट मत कीजिए, भीख देने की

संनातन परपंरा के नाम पर कुछ देना हो तो फटाफट दीजिए, वर्ना साफ कह दीजिए की देने की औकात नहीं है। 2. लेखक का बगल वाले के घर में इनसल्ट होते देखकर बीपी हाई होने लगा। 3. धक्का देने पर भिखारी ने लेखक को कहा कि ''आप खुद इस देश के लायक नहीं है। यह देश बड़े दिलवाला है। ये बाहरी आतंकवादियों की सुरक्षा और मेहमान नवाजी पर करोड़ों फूँक देता हैं और एक आप है कि अपने ही देश के मासूम भिखारी का दो-चार रुपये देने में नानी मर रही है।'' 4. मोहल्ले के कुछ बेरोजगाार युवक प्रसन्न दिखाई दिए। उन्हें प्रसन्न देखकर लेखक का माथा ठनका। 5. बेरोजगाार युवक लेखक से यह पूछने आए थें कि ''क्या'' आपको पता है कि बेरोजगारी दर कम हो गई है? 6. नेताजी बेरोजगार युवकों को ट्रक में भरकर एक रैली में ले गए। कुछ दिन बाद पता चला कि वे बेरोजगाार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बन गए है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) परंपरा, अधिकार शुद्ध, महँगाई, अल्टीमेटम, मिस्टर, क्वालिटी, वेस्ट, औकात, इज्जत, नवाजी, माजरा

(ख) 1. खून पसीना एक करके विद्यार्थी परीक्षा में सफल होते है। 2. मेरे सामने तो बड़ों-बड़ों को झुकना पड़ा है, तुम किस खेत की मूली हो? 3. मेरा भाई बड़े दिलवाला है। 4. महेश की तो आत्मा ही मर गई है।

20. भारतीय कला-कृतियाँ (निबंध)

लिखित प्रश्न

(क) 1. (स) 2. (ब) 3. (अ) 4. (स) 5. (अ) 6. (अ)

(ख) 1. धनवैभव, सोने की चिड़िया 2. थंगक 3. थंगक, बौद्ध 4. तंजावुर, कटहल 5. धार्मिक, पौराणिक 6. बिहार

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓ 7. ✗ 8. ✓

(घ) 1. (iii) 2. (vi) 3. (v) 4. (ii) 5. (i) 6. (iv)

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. अपनत्व 2. स्वत्व 3. मनुष्यत्व 4. अमरत्व

(ख) 1. तंजावुर 2. मधुबनी 3. थंगक 4. बाटिक 5. वरली 6. जरी

21. निराली दीवाली

लिखित प्रश्न

(क) 1. (स) 2. (ब) 3. (अ) 4. (अ) 5. (ब)

(ख) 1. मदद, सेवा 2. विस्फोट 3. गरमियों, लड़की 4. आलोक 5. चिंता, आलोक 6. गुड़िया।

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓

(घ) 1. चिनम्मा ने 2. चिनम्मा ने 3. आलोक ने 4. आलोक की माँ ने 5. दीपक ने 6. रोशन ने

(ङ) 1. आलोक ने चिनम्मा को सौ रुपये को नोट अपने पर्स से निकाल कर दिया। 2. सब बच्चों ने मिलकर चिनम्मा की लड़की के इलाज के लिए पैसे इकट्ठे किए। 3. ''और जब मैं स्कूल जा रही थी और एक .... दीपा ने कहा। 4.आपके विचार से दीवाली पर सबसे अधिक रोशनी बच्चों की कालोनी में हुई।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. चिनम्मा, दीपा, डॉक्टर 2. दीवाली, मम्मी, कॉलोनी, पार्क, अस्पताल 3. स्वास्थ्य, अपनापन, एकता, गरीबी, खुशी

(ख) 1. अतिथि देव को क्या भोग लगाऊँ। 2. आखिर उन्हें छोड़कर कहाँ जाऊँ। 3. उनके लिए भोजन लगाऊँ। 4. क्या बताऊँ साहब। 5. उनके साथ का एक घंटा कैसे निकालूँ।

22. खेलों में खेल 'ओलंपिक खेल'

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) तथा (ब) 2. (अ) 3. (ब) 4.

(अ)

(ख) 1. सफेद 2. बेरन प्रियरे 3. स्वर्ण, रजत, कांस्य 4. पाँच गोले, महाद्वीप

(ग) 1. खेलों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। खेल .... भावना जागृत होती है। 2. ईसा से लगभग बारह सौ वर्ष पूर्व यूनान के ... . जन्मदाता 'हरक्यूलिस' थे। 3. इसमें दौड़, साइकिल, लॉन, टेनिस .... शामिल किया गया। 4. ओलंपिक खेलो से विश्व के विभिन्न देश एक-दूसरे के .... भावना जागृत होती है 5. ओलंपिक खेलों का प्रतीक एक-दूसरे में गुथे हुए पाँच गोले हैं। प्रत्येक गोला एक-एक महाद्वीप को दर्शाता है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) जीत, विजेता, सच्चा, मेलजोल, स्त्री, नारी, सिद्ध, होनी

(ख) 1. स्वर्ग, वर्ष, पूर्व, कुबर्तिन, दर्शाता 2. प्रतिभा, प्रतियोगिता, प्रसिद्ध, फ्रांस, श्रेय।

(ग) मित्रता, एकता, परस्परता, विभिन्नता, निकटता, भव्या, प्रतियोगिता

काव्या हिंदी - 8

1. कर्तव्य बोध

लिखित प्रश्न

(क) 1. केवल अपने लिए सोचते, मौज भरे गाते हो। पीते, खाते, सोते, जगते, हँसते, सुख पाते हो। जग से दूर स्वार्थ-साधन ही सतत् तुम्हारा यश है। सोचो! तुम्हीं, कौन अग-जग में तुम-सा स्वार्थ विवश है? 2. जग में सचर-अचर जितने कर्म-निरत है। धुन है एक-न-एक सभी को, सबके निश्चित व्रत हैं। जीवन-भर आतप सह वसुधा पर छाया करता है। तुच्छ पत्र की भी स्वकर्म में कैसी तत्परता है।।

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ग) स्वयं करें

(घ) 1. सचर-अचर संसार में अपने कार्यों में लगे हुए हैं। 2. तुच्छ पत्र सदा अपने स्वकर्म का पालन करता है। तथा पौधे से जुड़ा रहता है। इसी प्रकार तुच्छ भी मिट्टी से जुड़ा रहकर अपना स्वकर्म निभाता है। 3. संसार मनुष्य के लिए एक प्रकार का परीक्षा स्थल है क्योंकि यहाँ दुख एक कठोर प्रश्न को देखकर मनुष्य परेशान हो जाता है। 4. ज्ञानी पुरुष अपने बुद्धि बल एवं विज्ञान से कठिन प्रश्नों व समस्याओं को हल करते है। 5. कवि ने मनुष्य का सत्कर्तव्य अपनी मातृभूमि के ऋण से उऋण होना है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) दीघ, निरातप, पराया, उच्च, धूप, अशोभा, अपयश, नरम

(ख) जीवन में, विवश, विकल, व्रत, आता, विचार

नए वाक्य

1. रवि जग में शोभा बरसाता है। 2. सत्पुरुष अपने ज्ञान से समस्या का हल निकालते हैं। 3. आँसुओं का अविरल प्रवाह थमने का नाम नहीं ले रहा। 4. कर्म करते रहना चाहिए फल की इच्छा किए बिना। 5. हर एक कार्य को तत्परता से करना चाहिए।

2. सुनहरा नेवला

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (ब) 3. (अ) 4. (स) 5. (स)

(ख) 1. दयालु व निःस्वार्थ 2. अभावग्रस्त 3. सुनहरा 4. स्वर्गलोक 5. प्रसन्न

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) स्वय करें

(ङ) 1. उसकी एक ही इच्छा थी कि उसका शेष शरीर भर सुनहरे रंग का हो जाए। 2. अपनी इसी इच्छा को पूरा करने के लिए वह देश .... वैसा का वैसा ही। 3. एक दिन उसने

निश्चय किया कि वह ऐसे स्थान को खोजेगा .... सुनहरा हो जाएगा। 4. उसने कहा– ''पिताजी! आप मेरा भी हिस्सा अतिथि को दे दें .... होने का यही फल है।'' 5. ब्राह्मण परिवार का त्याग युधिष्ठिर के त्याग से इसलिए महान था .... दान ही असली त्याग था।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करे

(ख) अतिथि, व्यक्ति, नेवला, हृदय, लोक, स्थान

(ग) धरती, प्रसन्नता, असली, जय, बिना स्वार्थ के, गरीब

(घ) अभावमुक्त, पराजय, आशा, धनी, स्वार्थ, दूर

नए वाक्य

1. अतिथि की क्षुधा शांत नहीं हुई। 2. ब्राह्मण ने अतिथि से कहा कि, ''आपके प्रयन्न होने पर मुझे श्रेष्ठ लोक की प्राप्ति होगी। 3. ब्राह्मण सामान्य परिवार में रहते थे। 4. नेवले की एक ही इच्छा थी। 5. नेवला नि:स्वार्थ व्यक्ति के पास जाना चाहता था।

3. गुरुभक्त उपमन्यु

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (अ) 3. (अ) 4. (स) 5. (ब)

(ख) 1. हँसमुख 2. वेद 3. एक 4. उपमन्यु 5. अप्रसन्न

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. गुरुजी ने उपमन्यु से 2. उपमन्यु ने गुरुदेव से 3. गुरुदेव ने उपमन्यु से 4. छात्र ने गुरुदेव से 5. अश्विनी कुमार ने उपमन्यु से।

(ङ) 1. आश्रम में विद्यार्थियों को दो प्रकार की शिक्षा दी जाती थी– 1. धर्म, कला 2. युद्ध। 2. प्राचीन समय में धौम्य ऋषि के नियम बड़े ही कठोर थे। .... रोज का यही नियम था। 3. धौम्य ऋषि ने उपमन्यु को राजा के प्रासाद में इसलिए भेजा था क्योंकि उनकी इच्छा थी कि वह राजा की सहायता करके यह देखे कि पंडित लोग किस प्रकार अपना काम करते हैं। 4. ऋषि ने उपमन्यु को इसलिए दंडित किया क्योंकि उससे गुरु की आज्ञा का पालन नहीं किया था। 5. तीसरे दिन जंगल में जब वह गायों को चराने के लिए ले गया तो भूख के .... वह अंधा हो गया। 6. उपमन्यु की आँखों देवताओं के वैद्य अश्विनी कुमारों ने ठीक करदी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. रमेश ने बैंक की परीक्षा के लिए जी–तोड़ मेहनत की। 2. आँखें खराब होने पर उपमन्यु की आँखों में आँसू आ गए। 3. अश्विनी कुमारों ने उपमन्यु के मन की बात जान ली थी। 4. जंगल में उपमन्यु कलेजा थाम के बैठा था। 5. गुरुजी की बात मानकर उपमन्यु का बेड़ा पार हो गया।

(ख) 1. निरुद्देश्य 2. सहपाठी 3. आज्ञाकारी 4. भाग्यवान 5. विद्यार्थी

(ग) संकल्प, प्रार्थना, आशीर्वाद, स्फूर्ति, आज्ञाकारिता, अनुशासन, प्रासाद, हंसमुख, उल्लघन, कृतज्ञ

नए वाक्य

1. राजा ने अपने लिए प्रासाद बनवाया। 2. हमें भगवान का कृतज्ञ रहना चाहिए। 3. व्यायाम से स्फूर्ति आ जाती है। 4. आज्ञाकारिता से जीवन में अनुशासन आ जाता है। 5. सुबह टहलने से शरीर निरोगी रहता है।

4. तीसरी छींक

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (अ) 3. (अ) 4. (अ) 5. (स)

(ख) 1. बहुएँ 2. टोकरी 3. कुँए 4. उपवास 5. डंडा

(ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. बड़ी बहू ने अपने पति से 2. पंडित जी ने लाखन से 3. लाखन ने पंडित से 4. चक्की मालिक ने लाखन से 5. लाखन ने चक्की मालिक से

(ङ) 1. बड़ी बहू के मुँह से अपमानजनक बातें सुनकर लाखन ने पंडितजी से अपनी मृत्यु के बारे में पूछा। 2. पंडितजी ने लाखन को पहले यह समझाया कि जितनी उम्र बची है उसे अनजान रहकर मजे में गुजार दो। 3. लाखन के जिद करने पर पंडितजी ने पत्रा देखकर उसे बताया कि तीन बार छींक आने पर उसकी मृत्यु दी जाएगी। 4. पंडितजी के घर से लौटकर लाखन को पहली छींक भूसे की टोकरी की धूल के कारण आई। 5. दूसरे दिन वह कुएँ पर नहा था। .... चली–आ आ आ क् क् छीं। 6. लाखन तीसरी छींक आते ही ''हाय! मैं मर गया।'' कहकर खड़ा–खड़ा धड़ाम से नीचे गिर पड़ा। उसके केंधे पर लदा आटे का बोरा भी साथ ही नीचे आ गिरा।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. लाखन अमरफल खाकर आया था। 2. लाखन भला–चंगा किसान था। 3. प्रभु की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिल सकता। 4. लाखन को लगता था कि कोई उसका आल भी बाँका नहीं कर सकता।

(ख) 1. सामने से पति पत्नी चले आ रहे थे। 2. भाई बहन पढ़ रहे हैं। 3. मोर मोरनी नाच रहे हैं। 4. माँ ने बर्तन रसोई में रखने को कहा। 5. लाखन के बेटे और बहुएँ साथ रहते थे।

नए वाक्य

1. पुलिस ने मार्ग में अवरोध खड़े कर दिए थे। 2. मेरे पिताजी मेरी प्रतीक्षा कर रहे थे। 3. लाखन की बुद्धि बहुत मोटी थी। 4. पंडित जी बहुत ज्ञानी है। 5. कार्य करने की इच्छा प्रबल होनी चाहिए।

5. जैसे को तैसा

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (ब) 3. (द) 4. (अ)

(ख) 1. धनीराम 2. बड़े 3. सैनिकों 4. लड़के 5. गलती

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓

(घ) 1. रूक्मिणी ने धनीराम से 2. धनीराम ने रूक्मिणी 3. रामलाल ने धनीराम से 4. नौकरों ने रामलाल से

(ङ) 1. सेठ धनीराम काशीपुर में रहने वाले अपने कस्बे के माने हुए लोगों ....उनका सम्मान करता था। 2. संकट के समय तो अपने भी दूर भागने लगते हैं, धनीराम .... भी बंद कर दिया था। 3. रामलाल जानता था कि वह हार तो बहुत कीमती है, उसे यह उम्मीद भी .... वह हार देना नहीं चाहता था। 4. धनीराम ने रामलाल को सबक सिखाने के लिए उसके बेटे को उठाकर हवेली के तहखाने में बंद कर दिया। 5. स्वयं करे

भाषा एवं व्याकरण

(क) मित्र, आदमी, राजा, दोस्त, प्राणी, व्यक्ति

(ख) कीमती, प्रसन्नता, चिंता, दोष, मित्रता, चोरी, निर्धनता, उदासी

नए वाक्य

1. कस्बे के लोगों ने धनीराम का स्वागत किया। 2. रूक्मिणी एवं धनीराम ने योजना बनाई। 3. धनीराम को चिंता हो रही थी। 4. ऐसा लग रहा था मानो भगवान साक्षात् प्रकठ हो गए। 5. हार करने के पश्चात् रामलाल के मन में पाप आ गया था।

6. मेहनती चींटी

लिखित प्रश्न

(क) स्वयं करें

(ख) 1. उसके भीतर है दुर्ग नगर 2. कोई शिल्पी

क्या करे 3. वह सरल, विरल, काली रेखा 4. चलती लघुपद, पल–पल मिलजुल

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. चीटियाँ भंडार में खाने की चीज़े इकट्ठा करती हैं, और अपने लिए। 2. चीटियाँ स्वभाव से परिश्रमी एवं समुदाय के प्रति प्रतिबद्ध होती हैं। 3. हम चीटियों को अच्छा शिल्पी कह सकते है क्योंकि वे सुंदर दुर्गनगर का निर्माण करती हैं। 4. कवि चीटियों को सुनागरिक इसलिए कहता है क्योंकि वह एक सामाजिक श्रमजीवी प्राणी है। 5. सुमित्रनंदन पंत।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. पिपीलिका 2. गौ 3. अविरत 4. ग्रह 5. शिल्पी 6. सौध 7. जनपथ 8. धाम

(ख) 1. गौ, गौरी, धेनु 2. पिपीलिका 3. शत्रु, बैरी, दुश्मन

नए वाक्य

1. चींटी के अंदर दुर्ग नगर है। 2. चींटी एक शिल्पीकार है। 3. चींटी एक श्रमजीवी प्राणी है। 4. चींटी पर एक सरल रेखा है। 5. चींटी सतत (लगातार) काम करती है।

7. पर्वतारोही बछेंद्रीपाल

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (ब) 3. (ब) 4. (द) 5. (अ)

(ख) 1. 1920 2. किशन सिंह पाल 3. ऑक्सीजन 4. संकटग्रस्त 5. मनोबल

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. एवरेस्ट पर 23 मई, 1984 को बछेंद्रीपाल ने विजय प्राप्त की थी। 2. पर्वतारोहण अभियान बड़े जोखिम और साहस का कार्य है। .... रेडियो– ऑपरेटर आदि होते हैं। 3. बछेंद्रीपाल जिस एवरेस्ट अभियान दल में सम्मिलित हुई, उसके नेता का नाम दर्शन कुमार खुल्लर था। 4. उनकी कड़ी मेहनत और लगन ही .... दल में सम्मिलित किया था। 5. 19 मई की राम थी कैंप तीन में बर्फ खिसकने से .... शिखर पर जा पहुँची।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. बछेंद्रीपाल ने गाउंड एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए जान की बाजी लगा दी। 2. बछेंद्रीपाल मौत के मुँह से बाहर आ गई 3. बछेंद्रीपाल जान हथेली पर रख कर चढ़ गई। 4. बछेंद्रीपाल प्राणों से हाथ धो बैठी। 5. सैनिकों का नाम खतरों से खेलना है।

(ख) विद्या + आलय, पूर्व + उत्तर, दुर् + घटना, पर्वत + आरोही

(ग) सुकुमार – सु, लापरवाह – ला, प्रतिक्रिया – प्रति, खुशकिस्मत – खुश, प्रशिक्षण – प्र, सहयोग – सह

नए वाक्य

1. बछेंद्रीपाल एवरेस्ट दल की सदस्या बन गई। 2. बछेंद्रीपाल प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया। 3. बछेंद्रीपाल बर्फ में फंसने के कारण चढ़ते में समर्थ नहीं थी। 4. शिखर पर चढ़ना आसान नहीं है। 5. पर्वतरोही ऊँचे पर्वतों पर चढ़ते है।

8. सत्साहस

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (ब) 3. (अ) 4. (अ) 5. (द)

(ख) 1. स्वार्थहीनता 2. साहसी 3. मनुष्य 4. शक्ति 5. कर्त्तव्य

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) स्वयं करें

(ङ) 1. लेखक ने संसार के सभी कार्यो को पूरा करने के लिए साहस को आवश्यक बताया है। 2. जिन गुणों का होना आवश्यक है, वे हैं – ह्रदय की पवित्रता .... मनुष्य में होना चाहिए। 3. लेखक ने साहस की तीन

श्रेणियाँ बताई है। 4. सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए हाथ-पैर की बलिष्ठता आवश्यक नहीं है, ... आवश्यक ही। 5. मौरादा गाँव का जमींदार उसने मराठों को मार भगाया था। 6. जो स्वार्थ से खाली हों समय पड़ने पर अपनी जान .... आत्मोत्सर्ग नहीं होता। 7. सत्साहसी व्यक्ति में एक गुप्त शक्ति रहती है, जिसके बल से वह दूसरे मनुष्य को .... फटकने तक नहीं देता हैं।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. संसार के काम बड़े अथवा छोटे साहस के बिना नहीं होते। 2. वे बोले, ''जहाँपना करके दिखाएँ, या केवल कहकर।'' 3. इस प्रकार का साहस नि:संदेह प्रशंसनीय है परंतु ज्ञान की आभा की कमी के कारण निस्तेज-सा प्रतीत होता है। 4. मौरंदा में आज भी एक स्तंभ उन वीरों की यादगार के रूप में खड़ा हुआ है। 5. सत्साहसी धर्म देश जाति और परिवारवालों के लिए नहीं किंतु संकट में पड़े अपरिचित की सहायता भी करता है।

(ख) गस्त-गश्त, साल-शाल, सक-शक, कास-काश, पास-पाश, साम-शाम

(ग) थोड़े, महिलाएँ, स्त्रियाँ, बड़ों, शिखरों, घोड़ों

(घ) नीच, भिज्ञ, परिचित, डरपोक, स्वार्थहीन, युवती, अनिच्छा, कायर, सुख

नए वाक्य

1. सभी शूरवीर मातृभूमि के लिए लड़ते है। 2. साहसी अपने प्राणों की लेशमात्र भी परवाह नहीं करता। 3. अभिमन्यु आज हमारे ह्रदय में जागरुक है। 4. सत्साहसी के लिए केवल साहस प्रकट करना ही अभीष्ट नही। 5. सर्वोच्च साहस के लिए हाथ-पैर की बलिष्ठता आवश्यक नही है

9. ठाकुर का कुआँ

लिखित प्रश्न

(क) 1. (अ) 2. (ब) 3. (ब) 4. (ब) 5. (द)

(ख) 1. दिल 2. शाम 3. वृक्ष 4. ठाकुर साहब 5. रस्सी

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. जोखू ने गंगी से 2. गंगी ने जोखू से 3. गंगी ने जोखू से 4. जोखू ने गंगी से

(ङ) स्वयं करें

(च) 1. गंगी ने जोखू को पानी पीने से मना कर दिया क्योंकि पानी में बदबू आ रही थी। 2. गंगी स्वच्छ पानी लाने ठाकुर के कुएँ पर गयी। 3. गंगी का दिल पाबंदियों और मजबूरियों पर चोटें करने लगा, हम क्यों, क्यों नीच हैं और ये लोग .... झूठे मुकदमें ये करें। 4. कुएँ पर पानी भरने आई स्त्रियाँ दुखी थी क्योंकि काम करने के बाद भी उनका कोई सम्मान न करता था। उन्हें आराम करने को नहीं मिलता था। 5. इस कहानी में मुख्य रूप से छुआछूत की समस्या को उजागर किया गया है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. धुँधली 2. जरा 3. भयानक 4. सख्त 5. सड़ा

नए वाक्य

1. ठाकुर द्वारा जनता पर कोई कर रियायत नही की गई। 2. सम्पति का घमंड नहीं करना चाहिए। 3. गंगी ने क्षणिक सुख की साँस ली 4. गंगी ने ठाकुर के दरवाजे पर दृष्टि डाली। 5. कारगिल युद्ध में भारत की विजय हुई।

10. गोवा

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (स) 3. (अ) 4. (द) 5. (द)

(ख) 1. पुर्तगाली 2. समशीतोष्ण 3. प्रचुर 4. महाराष्ट्र 5. ईसाइयों

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) स्वयं करें

(ङ) 1. गोवा में अनेक पहाड़ और पहाड़ियाँ हैं;

जिनसे साँसगोड़, कटलांची, माउली, वोघर .. .. ऊँचा पर्वत साँसागोड़ है। 2. गोवा की जलवायु समशीतोष्ण है और तापक्रम 17◦ सेंटीग्रेट और 35.6 सेंटीग्रेट के बीच रहता है। 3. गोवा अनेक राजाओ के अधीन रहा। ईसा पूर्व .... पर राज्य किया। 4. गोवा की मुख्य भाषाएँ कोंकणी और मराठी हैं। इनके .... बोलते और समझते हैं। 5. यहाँ के प्रसिद्ध लोकगीत माडों, धुलपद, दाकणी, ओवीधालो और ठुमड़ी हैं। 6. अनेक दर्शनीय मंदिरों, गिरजाघरों और .... लिए आकर्षण का केंद्र है। 7. गोवा के निवासी सुशिक्षित, सभ्य और शांतिप्रिय हैं। ... . जीता–जागता उदाहरण है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. जिसका कोई दण्ड न हो।
जिसे दण्डित किया जा सके।

2. अर्धागिनी
महिला

3. खर्चा
बेकार का खर्च, जिसकी जरुरत न हों।

4. किसी वस्तु की आकृति
स्वयं की छाया

नए वाक्य

1. गोवा के निवासी धन सम्पन्न हैं। 2. पुर्तगालियों ने व्यापार से सम्पत्ति अर्जित की। 3. धार्मिक सहिष्णुता का उदाहरण भारत में मिलता है। 4. गोवा कोंकण क्षेत्र में स्थित है। 5. यहाँ प्रचुर मात्रा में वर्षा होती है।

11. वीरों की पूजा

लिखित प्रश्न

(क) 1. पुष्कर, रामेश्वर, काशी।, को मेरी आँखे प्यासी। 2. क्या अपना पथ आये भूल, कहाँ चढ़ेंगे माला फूल।

(ख) स्वयं करें

(ग) 1. प्रस्तुत कविता के रचयिता श्याम नारायण पाण्डेय जी हैं। 2. कवि ने कविता में गंगासागर, रामेश्रवर, पुस्कर काशी। 3. अपने स्वतंत्र दुर्ग में बैरी बोली सुनकर जवानों की टोली तलवारें लेकर निकल पड़ी थी। 4. कविता में तीर्थराज चित्तौड़ को कहा है। 5. जौहर–व्रत में स्त्रियाँ स्वयं को अग्नि को समर्पित कर देती थी और अपनी रक्षा शत्रुओं से करती थी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) पीत + अम्बर = पीला है वस्त्र जिसका – कृष्ण, चक्र + धर = चक्र रखने वाला – कृष्ण, चक्र + अम्बर = , गज + आनन = , नीला + कंठ = नीला है कंठ जिसका– शिवाजी, दश + आनन = जिसके दस सिर हो – रावण, लम्बा + उदर = लंबा है उदर जिसका – गणेश

(ख) दुश्मन, शत्रु; पुष्प, सुमन; आराधना, स्तुति; जननी, माता; राह, मार्ग; शरीर, काया

नए वाक्य

1. प्रयाग को तीर्थराज कहा ताजा है। 2. हमारा देश 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ 3. हमें अपनी सभ्यता पर गर्वित होना चाहिए। 4. कृष्ण जी को पीतांबर भी कहते है। 5. साधु–संन्यासी गुफाओं में रहते हैं।

12. विशाल पक्षी संसार

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (द) 3. (स) 4. (स) 5. (अ)

(ख) 1. जलीय पक्षियो 2. शुतुरमुर्ग 3. न्यूजीलैंड 4. किसानों 5. सफाई।

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. पक्षी प्रकृति की अद्‍भुत रचना है। भिन्न–भिन्न रंगों और आकृतियों के उछलते–फुदकते पक्षी इस प्रकृति की शोभा है। 2. पानी में छपछपाते, सुरीली तान छेड़ते, खुशी से चहचहाते पक्षी .... भी

बहुत होते हैं। 3. पक्षियों का एक वर्ग जिसे 'रैटाइटी' कहा जाता है, में ऐसे पक्षी पाए जाते जिनके पंख तो होते हैं, लेकिन उड़ नहीं पाते। 4. शुतुरमुर्ग विश्व के सबसे बड़े जीवित पक्षीयों में से एक है। इसकी चार प्रजातियाँ ... . यह शाहकारी होता है। 5. यह शुतुरमुर्ग जैसा ही एक पक्षी होता है। यह आकार में शुतुरमुर्ग से कुछ छोटा होता है। यह दक्षिणी अमेरिका के मैदानी .... अंडे नर द्वारा सेए जाते हैं। 6. लेन-देन की यह व्यवस्था जलीय-पक्षियों में विशेष .... पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं। 7. पेंग्विन एक जलीय पक्षी है। इसका अग्रपाद फ्लैपर में रूपांतारित हो जाता है, ... जीवनभर उसका शोषण करते है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) स्वयं करें

(ख) रूपांतरित, ईमानदार, प्रवृति, व्यस्त, शुतुरमुर्ग, स्लेटी

नए वाक्य

1. पेंग्विन के अग्रपाद रूपांतरित हो जाते हैं। 2. शोधकर्ताओं ने माना कि पक्षी भी मनुष्य की तरह लेन-देन करते हैं। 3. समारोह में सभी अपने कामों में व्यस्त थे। 4. हमारे यहाँ भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं। 5. पशु-पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियाँ होती हैं।

13. कृष्ण भक्ति के पद

लिखित प्रश्न

(क) 1. द्वारपाल के मुख से 'सुदामा' शब्द सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण ने जैसे अपनी सुध-बुध खो दी और वह नंगे पाव ही दोड़ पड़े द्वार की ओर। दोनों बाहें फैलाकर उन्होंने सुदामा को हृदय से लगा लिया। भगवान की दीनवत्सलता देखकर सुदामा की आँखें बरस पड़ी। उनसे अश्रु की धारा लगातार बहे जा रही थी। तदनन्तर भगवान श्रीकृष्ण सुदामा को अपने महल में ले गये। उन्होंने बचपन के प्रिय सखा को अपने पलंग पर बैठाकर उनका चरण धोना प्रारम्भ किया। सुदामा की दीन-दशा को देखकर चरण धोने के लिए रखे गये जल को स्पर्श करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। करुणा सागर के नेत्रों की वर्षा से ही मित्र के पैर धुल गये। 2. मुरलीधर सहित बेजंती माला धारण किए हुए सुशोभित हो रहे हैं। घाट के तट पर शोभित, नुपुर सबद रसाल, प्रभु संतान की सुखदाई मीरि, गोपाल की भक्त हैं। 3. मैया कहती है झांसे में ले लिया है, मैया ने तेरी ही सौगन्ध मेरी मैया अभी ही ब्याह के लिए चलेगें। सुरदास जी लीला में साक्षी बने सब सखा के साथ बाराती बने हैं, और सभी नूतन मंबल गा रहे है।

(ख) 1. श्रीकृष्ण ने यशोदा से चंद खिलौना लेने के लिए उनसे कहा कि जब तक में खिलौना नहीं तब तक मैं तुम्हारी गोद में नहीं आऊँगा, जमीन पर ही लौट लगाऊँगा। 2. हे नंद के लाल कृष्ण! आप मेरी आँखों में निवास करो। आपके मोर पंख का मुकुट कानों में कुण्डल और मस्तक पर सुनहरी तिलक शोभायमान है। आपके नयन विशाल हैं तथा आपकी साँवली और मन को मोहने वाली छवि है। होठों पर सुधा रस अमृत बरसाने वाली बाँसुरी है और गले में वैजयंती विष्णु की माला विशेष है: मीरा के भगवान संतों को सुख देने वाले और भक्तों के प्रिय गोपाल हैं। 3. फटी हुई धोती में एक निर्बल व्यक्ति द्वार पर आया है। 4. सुदामा का नाम सुनकर श्रीकृष्ण की खुशी का ठिकाना न रहा वह सारे काम-काज छोड़कर द्वार की तरफ दौड़े चल गए। 5. उनके पाँव में छाले पड़ रहे थे।

भाषा एवं व्याकरण

(क) शाम, अभिरामा, गोपाल, खोए, धोए, मानैं, बिसाल

(ख) शीश, यहाँ, नवीन, पैर, धरती, नयन, चंद्रमा

14. शरणागत की रक्षा

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (ब) 3. (स) 4. (अ)

(ख) 1. राजकाज 2. अनुत्साहित 3. माफी 4. बल 5. काल

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(घ) 1. माहमशाह ने हमीर से 2. हमीर ने माहमशाह से 3. सरदारों ने हमीर से 4. अलाउद्दीन ने हमीर से 5. हमीर ने माहमशाह से

(ङ) 1. राणा हमीर के दरबार में माहमशाह आया था। 2. माहमशाह राणा हमीर की शरण में इसलिए आया क्योंकि अलाउद्दीन ने उसे फंसी का हुक्म दिया था। 3. ''कर्तव्य की सीमा?'' कड़ककर हमीर ने पूछा, ''कर्तव्य की सीमा है .... दुनिया का बादशाह।'' 4. ''क्या तुम नहीं जानते, हमीर जो तुमने माहम को ....की माफी माँगो।'' 5. अलाउददीन का यह संदेश हमीर के पास पहुँचा, तो वह मुस्कराया था। उसने .. .. मुनासिब समझें, कीजिए।'' 6. ''लड़ाई-झगड़े से क्या फायदा, हमीर ला माहम को मुझे सौंप दे।'' .... यह आखिरी उत्तर था।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. ''कौन हो तुम''? हमीर ने पूछा। 2. हमीर ने कहा, ''माहमशाह, रणथंभौर अब तुम्हारा घर है। 3. ''कर्तव्य की सीमा?'' 4. सरदारों ने कहा, ''क्षमा करें, महाराज। आपकी बात परम पवित्र है, पर कर्तव्य की भी एक सीमा है।'' 5. ''लड़ाई-झगड़े से क्या फायदा, हमीर, ला माहम को मुझे सौंप दे।'' खिलजी का यह आखिरी संदेश था।

(ख) **तत्सम शब्द**- आगंतुक, शरण, नजदीक, जवाब **उर्दू शब्द**- व्यथा, माफ, खादिम, उम्मीद, मुनासिब

नए वाक्य

1. अकाल के समय राजा ने प्रजा को खजाना खोल दिया। 2. सिपाही ने दरबार में अपने व्यथा सुनाई। 3. रमेश अपने व्यवहार पर शर्मिदा हैं। 4. अलाउददीन ने हमीर को युद्ध का संदेश भेजा। 5. हमीर ने विजय की कामना से युद्ध किया।

15. हमारे प्रिय राजेंद्र बाबू

लिखित प्रश्न

(क) 1. (द) 2. (ब) 3. (स) 4. (ब)

(ख) 1. जमीनदार 2. ग्रामीणता 3. सामान्य 4. व्ययसाध्य 5. अजातशत्रु

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(घ) स्वयं करें

(ङ) 1. लेखिका ने राजेंद्र बाबू को सर्वप्रथम स्टेशन पर देखा था। 2. उनकी मुखाकृति देखकर अनुभव होता था मानो इन्हें पहले कहीं देखा है। 3. काले घने छोटे कटे हुए बाल, चौड़ा मुख, चौड़ा माथा, घनी भृकुटियों के नीचे बड़ी .... अनायास आकर्षित कर लेती थी। 4. डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद के स्वभाव और रहन-सहन सामान्य भारतीय व्यक्तित्व का प्रतिनिधित्व करते थे। 5. राजेंद्र बाबू के निकट संपर्क में आने का अवसर मुझे सन् 1937 में मिला, जब वे काँग्रेस के रूप में .... प्राप्त हो सकेगी।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. फलाहारी 2. विशेषज्ञ 3. विश्वासपात्र 4. गौमुखी 5. विद्यार्थी।

(ख) मुख + आकृति, एक + आसन, विद्या + आलय

नए वाक्य

1. विद्यार्थियों को स्वच्छ वेशभूषा में विद्यालय आना चाहिए। 2. राजेंद्र बाबू की

सारी व्यवस्था अस्त व्यस्तती का पर्याय थी। 3. राजेंद्र जी को देखकर मेरी आँखें विस्मय से खुली रह गई। 4. राजेंद्र बाबू का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं।

16. तैमूर की हार

लिखित प्रश्न

(क) 1. (स) 2. (अ) 3. (द) 4. (अ) 5. (ब)

(ख) 1. सुजान 2. माँ 3. तलघर 4. तलवार 5. सम्मान

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. हिंदू ग्रामीण ने कल्याणी से 2. कल्याणी ने बलकरन से 3. जफर अली ने सिपाही से 4. तैमूर ने बलकरन से 5. बलकरन ने तैमूर से

(ङ) 1. बलकरन अपनी वर्षगाँठ पर अपनी माँ से हथियारों की पूजा करने को कहता है। 2. महमूद गजनी से आया था। 3. तैमूर के भय से सभी ग्रामीण घर छोड़कर भाग जाते हैं। 4. बलकरन की माँ ने भगवान को धन्यवाद दिया क्योंकि उनसे बलकरन की तैमूर से रक्षा करी थी। 5. तैमूर लंगड़ा अपने आदमियों को इसलिए डाँटता है क्योंकि वे खाने के लिए लड़ रहे थे। 6. बलकरन की वीरता को देखकर तैमूर प्रभावित होता हैं। 7. बलकरन तैमूर से मुराद माँगता है कि तैमूर उसका गाँव छोड़कर चला जाये और तैमूर उसकी मुराद पूरी करता है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) सदैव, रक्त, गर्व, धन, आदेश, प्रश्न, प्रस्तुत, ताकत, जीवित, हृदय, इच्छा, अधिकार

(ख) घर, हाथ, पत्थर, सोना, प्यारा, सूर्य, बातचीत

(ग) चालाक, प्यार, शीघ्र, निडर, तेज, बहादुर

नए वाक्य

1. हम पूर्व दिशा में यात्रा कर रहे हैं। 2. अध्यापक कक्षा में प्रवेश करते हैं। 3. आज विद्यालय की 15वीं वर्षगाँठ हैं। 4. तैमूर दूसरे गाँव को प्रस्थान करता हैं। 5. सभी बच्चे तीव्र स्वर में बातें कर रहे थे।

17. मधुर याद बचपन तेरी

लिखित प्रश्न

(क) 1. मधुर याद बचपन तेरी। गया, ले गया तू जवरन की 2. मधुर सरलता वह प्यारा जीवन निष्पाप। क्या फिर आकर मिटा सकेगा, तू 3. मिट्टी चाकी आई थी। कुछ मुँह में कुछ हाथ में, 4. खाती हूँ, तुतलाती हूँ। मिलकर उसके साथ स्वयं

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ग) संदर्भ – प्रस्तुत पंक्तिया पाठ्य पुस्तक की कविता ''मधुर यादें बचपन'' से ली गई हैं। इसकी रचयिता ''सुभद्राकुमारी चौहान'' जी हैं।

भावार्थ

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री कहती है कि बचपन का चिंता मुक्त रहकर खेलना, खाना तथा निर्भय होकर घूमना, फिरना का आनन्द नही भूला जा सकता। वह बचपन का अतुलित आनंद का क्षण था। 2. बचपन में रोना और बात-बात पर मचल जाना भी बहुत आनंद दिखाते थे। जरा सी बात पर रोने और मोटे-मोटे आँसू चेहरे पर माला का काम करते थे। 3. प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री जी कहती है कि जब वो अपने बचपन को याद कर रही थी तभी उनकी छोटी सी बिटिया ने उन्हें पुकारा उसकी आवाज से उनका छोटा बेटा सा घर नंदन वन की तरह खिल उठा। 4. अपनी छोटी बेटी के रूप में मैंने अपना बचपन फिर से पा लिया हैं। उसकी प्यारी सी सूरत देखकर मुझमें नया जीवन आ गया है।

(घ) 1. कवयित्री को बार-बार बचपन की याद आ रही है। 2. बचपन में चिंतारहित खेलना तथा निर्भय होकर स्वच्छ विचरना अतुलित आनंद है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। 3. बचपन में

ऊँच-नीच छुआछूत का ज्ञान नही होता है। 4. बचपन में रोना, मचलना अधिक आनंद दिखती है। 5. मन के संताप को फिर बचपन आकर मिट सकता है। 6. अपनी बेटी को देखकर नवजीवन की अनुभूति की है।

भाषा एवं व्याकरण

(क) प्रसन्न, जंगल, निडर, मन, मीठा, प्रसन्न

(ख) पाप रहित, इच्छा, खुश, सुन्दर, मीठा, निडर, स्वतन्त्र, बहुत

(ग) मूर्ति, स्वयं, मुश्त, चिंतारहित, झोपड़ी, हृदय

नए वाक्य

1. बच्चों की बातों से मन प्रफुल्लित हो जाता है। 2. बच्चों के साथ कवयित्री का नवजीवन आता है। 3. हमें निर्भय रहकर समस्या का सामना करना चाहिए। 4. बचपन का अतुलित आनंद भूला नही जाता। 5. बच्चे निष्पाप मन के होते हैं।

18. प्रायश्चित्त

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (स) 5. (अ)

(ख) 1. बहू 2. मुश्किल 3. ग्यारह 4. खर्च 5. हाँफते

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

(घ) 1. मिसरानी ने सास से 2. पण्डित ले पण्डिताइन से 3. रामू की माँ ने पण्डित से 4. छुन्नू की दादी ने रामू की माँ से 5. किसनू की माँ ने पंचायत में

(ङ) 1. दान पुण्य करने से किये गये पाप का दण्ड घट जाता है। 2. पाप का प्रायश्चित करने के लिए उपहार में पकवान आदि मिलेंगे। 3. किसी भी पाप, पुण्य कर्म होने पर सुरोहित हल निकाल लेते है।

(च) 1. बहू ठहरी चौदह वर्ष की बालिका-कभी भंडारघर खुला है, तो कभी भंडारघर में बैठे-बैठे सो .... लगाया, मलाई गायब। 2. बिल्ली के हौसले बढ़ गये थे उसने घर में रहना मुश्किल कर रखा था 3. बिल्ली की हत्या की खबर सुनकर तंता लग गया। 4. पंडित परमसुख को जब यह खबर मिली, उस समय वे पूजा .... पकवानों पर हाथ लगेगा। 5. पंडित जी ने रामू की माँ से बिल्ली, इक्कीस तोले की दान करने को कहा। 6. ''बिल्ली तो उठकर भाग गई।'' यह सुनकर पंडित जी बेचारे अपना सा मुँह लेकर वापस चले गये।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. क्रोध में रमेश के सिर पर खून सवार था। 2. कौरवों का महाभारत युद्ध में नाश हो गया। 3. चोर सामान लेकर चंपत हो गये। 4. कभी-भी पैसे का घमण्ड ना करें ये हाथों का मैल होता है। 5. पंडित जी ने जमकर आसन लगाया।

(ख) वर, ससुर, नौकर, पंडित, ठाकुर, ब्राह्मण

(ग) 1. पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह-तरह के मेवे दूध में औटाए गए। 2. चेहरे पर पर धुँधलापन आया, माथे पर बल पड़े, नाक सिकोड़ी और स्वर गंभीर हो गया। 3. ''अरे पंडितजी, रामू की माँ को कुछ नही अखरता। 4. रामू की बहू, दो महीने हुए मायके से प्रथम बार ससुराल आई थी। 5. अभी तक तो वह रामू की बहू से डरती थी, पर अब वह साथ लग गई।

नए वाक्य

1. ईश्वर के विधान को कोई टाल नहीं सकता। 2. समुद्र सदैव अपनी मर्यादा में रहता है। 3. गरीबों से घृणा नही करनी चाहिए। 4. मोहन अपने कर्मों का प्रत्यश्चित करना चाहता था। 5. प्रात: काल का मौसम सुहाना होता है।

19. अकबरी लोटा

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (स) 5. (अ)

(ख) 1. काशी के ठठेरी 2. दु:ख, हँसी 3. जी 4. न्यूटन, आर्कर्षण शक्ति 5. सायबान 6. जहाँगीरी अंडा

(ग) 1. झाउलाल की पत्नी ने 2. बिलवाली मिश्र ने 3. बिलवाली मिश्र ने 4. साहब ने 5. बिलवाली ने 6. लाला झाउलाल ने

(घ) 1. पत्नी ने जब उनसे एकाग्र ढाई सौ रुपय की माँग की तो उनका दिल बैठ गया। 2. बिलवाली ने लोटे की ऐतिहासिक कहानी सुनाई जिसे सुनकर अंग्रेज प्रभावित हो गया। 3. लाला झाउलाल के हाथों से छूठकर लोटा सीधा एक अंग्रेज के पैर पर जा गिरा। 4. अंग्रेज के सामने पं. बिलवासी जी ने झाउलाल को पहचानने से इंकार कर दिया क्योंकि वो उस अंग्रेज के साथ मिलकर झाउलाल की समस्या हल करने का इरादा बनाकर आए। 5. बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध अपनी पत्नी के संदूक में से निकालकर किया। 6. अंग्रेज को पुरानी चीजों को एकत्र करने का शौक था। बोली लगाकर झाउलाल ने उसे उकसा दिया था वह हर हाल में लौटा लेना चाहता था जो उसने ले लिया।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. (अ) 2. (ख) 3. (ग) (घ)

(ख) 1. राज + श्री 2. तथ + एवं 3. बसंत + उत्सव 4. प्रति + एक

20. सुमित्रानंदन पंत

लिखित प्रश्न

(क) 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

(ख) 1. प्रस्तुत लेख की लेखिका का नाम महादेवी वर्मा है। 2. लेखिका को सुमित्रानंदन पंत जी की कविता सुनने का सुयोग मिलते-मिलते रह गया था। 3. डॉ० धीरेंद्र वर्मा ने अपने विवाह के अवसर पर .... खड़ी न रह सकी। 4. स्वयं करें 5. स्वयं करें

भाषा एवं व्याकरण

(क) कविता, छात्राएँ, रेखाएँ, अध्यापिकाएँ, मूर्ति, उपत्यकाएँ, श्रेणी, झीले, रचना, घरौंदा, कथा, मकड़ीयाँ

(ख) कठिन, अनिश्चित, अपकीर्ति, रात, दुर्योग, प्राचीन, अविश्वास, विपन्नता, प्रस्थान, अप्रत्यक्ष, दुर्गम, भूलना

(ग) सम आसीन, आ कार, चिर कुमार, अंतर मुरबी

21. पासा पलट गया

लिखित प्रश्न

(क) 1. किसान 2. गाय, नारियल पेड़, चादर 3. बाबूलाल, श्यामलाल, चालाक 4. बाबूलाल, चादर

(ख) 1. श्यामलाल ने बाबूलाल से 2. श्यामलाल ने बाबूलाल से 3. श्यामलाल ने बाबूलाल से 4. बाबूलाल ने श्यामलाल से

(ग) 1. श्यामलाल ने गाय का अगला बाबूलाल को तथा पिछला भाग स्वयं रखा। नारियल के पेड़ का नीचे वाला बाबूलाल को तथा ऊपर का भाग स्वयं रखा। इसी प्रकार चादर को दिन में बाबूलाल को तथा राम को स्वयं के पास रखा। 2. बाबूलाल को पड़ोस के वृद्ध नक समझाया 3. बाबूलाल ने श्यामलाल को सबक सिखाने के लिए जब वह गया और अगले दिन सुबह के समय .... इसे भिगोऊँ या चाहे जो करूँ। 4. श्यामलाल को समझ में आ गया कि अब उसकी चालाकी नहीं चलेगी ....मुझे क्षमा कर दें।

भाषा एवं व्याकरण

(क) 1. गुस्सा 2. भयभीत, डर 3. खुशी, हर्ष

(ख) 1. किसान 2. तना 3. अनुज 4. पड़ोसी